

मुख्यमंत्री ने पंजाबी बाग वेस्ट मेट्रो स्टेशन पर 'अर्पण केंद्र' का किया शुभारंभ

‘सामूहिक भावना से होता है विकसित दिल्ली का निर्माण’

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

विकसित दिल्ली का निर्माण केवल सड़कों, पुलों और मेट्रो लाइनों से नहीं होता, बल्कि जिम्मेदार नागरिकों, संसाधनों के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक भावना से होता है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को पंजाबी बाग वेस्ट मेट्रो स्टेशन पर 'अर्पण केंद्र' (पुराने कपड़ों का दान केंद्र) के शुभारंभ के अवसर पर यह संबोधन दिया।

उन्होंने कहा कि जब अपशिष्ट को संसाधन में बदला जाता है और विकास के साथ प्रकृति का संरक्षण सुनिश्चित किया जाता है, तभी वास्तविक अर्थ में विकासित समाज का निर्माण होता है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने क्यूआर कोड आधारित डिजिटल प्रणाली के माध्यम से वृक्ष दान प्रक्रिया का अवलोकन भी किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पहल दिल्ली मेट्रो कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) एवं दिल्ली मेट्रो लेडीज वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन (डीएमएलडब्ल्यूओ) सहयोग से शुरू की गई है। इसका उद्देश्य पुराने उपयोग योग्य वस्त्रों का संग्रह, रीयूज, रीसाइक्लिंग और अपसाइडलिंग को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर मादिलपुर से



जरूरतमंद के जीवन में बदलाव ला सकता है दाज किया वस्त्र

मुसुधारों ने हरे गुप्ता ने कहा कि पुराने वस्त्रों का रोज़ाभिलेखन लेवल करवा करमा करने का माध्यम नहीं है, बल्कि जला, ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का भी प्रभावी पाया है। प्रत्येक नागरिक द्वारा दान किया गया एक वस्त्र पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसी भी जलरसमृद्ध के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव ला सकता है। इसके साथ ही गुप्ता वस्त्रों का कहा कि दिल्ली सरकार सदैव ऐसे इनेशियेशन को प्रोत्साहित करती रहेगी जो पर्यावरण के संरक्षण, महिला शक्तिीकरण, रोजगार सृजन तथा जनसांख्यिकी के एक साथ आगे बढ़ाते हैं। यह पहल देश में संकुलित इकोनॉमी को मजबूत करे और 'वेस्ट टू वेल्थ' की अवधारणा को व्यवहारिक रूप देने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

विधायक कैलाश गंगवाल, डीएमआरसी
के प्रबंध निदेशक डॉ विकास कुमार,
दिल्ली मेट्रो लेडीज वेलफेयर

ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष डॉ. शालिनी सिंह, वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पुराने कपड़ों को अर्पण केंद्रों तक अवश्य पहुंचाएं

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्लीवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने घरों में रखे उपयोग योग्य पुराने कपड़ों को अपनों के छोटे तक अवशेष पहुँचाएँ। नगरिकों का एक धेन्ना सा योगदान है। केवल लैंडफिल में जाने वाले टेक्सटाइल कचरे को कम करेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के संरक्षण और जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लागे में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दिल्ली मेट्रो के 10 प्रमुख
स्टेशनों पर स्थापित
हुए अर्पण केंद्र

जानकारी के अनुसार, इस पहल के तहत दिल्ली मेट्रो के 10 प्रमुख स्टेशनों पर ये केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। जिसमें पहले चरण के तहत सोमवार को 5 प्रमुख स्टेशनों, शालीमार बाग, पंजाबी बाग, वेस्ट, मयूरा विहार फेज-1, शाहदाद और रेहिंगी वेस्ट पर अक्स-केंद्रों की शुरुआत कर दी गई है। इसके लिए संसदीय संस्थाओं के बीच औपचारिक समझौता ज्ञानपीठ की हस्तक्षरित हो चुका है। सभी चयनित-मेट्रो स्टेशनों पर टेक्सटाइल कलेक्शन-कम-सेल किफायत स्थापित किए जा रहे हैं, जहां नागरिक अपनी उपयोग योग्य पुराने वस्त्र दान कर सकेंगे। नागरिकों की सुविधा के लिए वस्त्र दान की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल एवं पारदर्शी बनाया गया है। दानकर्ता व्हाट्सएप कोड आधारित प्रणाली के माध्यम से आसानी से अपने पुराने कपड़े दान कर सकेंगे और उन्हें डिजिटल रिसिप्ट भी प्राप्त होगी। इससे अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित होगी।

स्वर संक्षेप

भाजपा साइकिल व आप
बैग देने के नाम कर कर
रहे हैं भ्रष्टाचार : यादव

है दिल्ली। सस्ते जाननातिक
लाभ हेतु दिल्ली में भाजपा सरकार
छात्राओं को मुफ्त साइकिल और
पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप)
की सरकार छात्रों को स्कूल बैग दे-
ने के नाम पर भ्रष्टाचार को अंजाम दे-
रही है। यह बात सोमवार को दिल्-
ली के प्रेस कांफ्रेंस में के अध्यक्ष
देवेन्द्र यादव ने कही। यादव ने कहा
कि रेखा गुप्ता सरकार छात्राओं को
साइकिलें बांटने के लिए उनकी
खरीद में 90 करोड़ रुपये का
भ्रष्टाचार करके एक नया रिकॉर्ड
बना रही है, वहीं आम आदमी पार्टी
ने पंजाब में स्कूल बैग खरीद में
घोटाळा किया है। दोनों पार्टियां
भ्रष्टाचार कर लूटने में लगी हुई हैं।
यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा
गुप्ता द्वारा छात्राओं को वितरित की
साइकिलें बड़ी हुई लागत पर
खरीदी गई, क्योंकि 1 लाख 30
हजार 923 रुपये के साइकिल की दर में खरीदी
जबकि साइकिल की मूल कीमत 4
हजार 100 रुपये थी। इसमें भारी
भ्रष्टाचार किया क्योंकि लाभार्थी
पंजाब की पहले ही घोटाळे के साथ
तय कीमत के साथ समझौता हुआ
था, जब निविदा प्रक्रिया से बाहर
उपराज्यपाल से शिकायत की
थी, जिसमें एक साइकिल की
वास्तविक कीमत में भारी अंतर
और उस बड़ी हुई कीमत के बारे में
बताया जिसके बाद रेखा गुप्ता
सरकार का भ्रष्टाचार साफ
उजागर हुआ।

सीएम बताएं, साइकिल का कौन सा मोक और मॉडल खरीदा : भारद्वाज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सोरभ भारद्वाज ने लगातार दूसरे दिन तथाकथित साइकिल घोटाले पर रेखा सरकार को घेरा है। भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार के प्रवक्ता कह रहे हैं कि साइकिल तो 4 - 55 हजार तक की आती है, हमने महंगा वाला मॉडल खरीदा है। उन्होंने कहा तो हम सीएम रेखा गुप्ता से मांग करते हैं कि वह बताएं कि साइकिल का कौन सा मैक और मॉडल खरीदा है, जिसकी प्रति साइकिल 6957 रुपए दिए हैं। भारद्वाज ने कहा कि 1 लाख 30 हजार साइकिल खरीद में हुए घोटाले पर सीएम चुप क्यों हैं, कुछ बोलती क्यों नहीं। सरकार को बताना पड़ेगा कि साइकिल घोटाले किसी अधिकारी ने किया, तो उस पर कार्रवाई कब शुरू होगी। उन्होंने कहा कि रिलेटे में साइकिल कितने की मिलें हैं यह गुगल से आसानी से पता चल जाता है।

छात्रों की सुरक्षा से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं : सुद

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

- रोहिणी स्थित प्राइवेट ग्लोबल स्कूल को भेजा नोटिस

वित्तीय अनियमितताएँ, विद्यालय परिसर का व्यावसायिक उपयोग तथा छात्रों की सुरक्षा के साथ शिष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्बाद नहीं किया जाएगा। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सुद ने सोमवार को यह बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा के मंदिर हैं, व्यावसायिक केंद्र नहीं। बच्चों की सुरक्षा, हित और भविष्य से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि जो भी स्कूल प्रबंधन कानून की अवहेलना करेगा तत्पक्ष छात्रों एवं अभिभावकों का शोषण करेगा, उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली सरकार अभिभावकों एवं बच्चों के अधिकारों की रक्षा तथा शिक्षा व्यवस्था में पूर्ण जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इससे पहले दिल्ली के शिक्षा निदेशालय ने रोहिणी स्थित प्राइवेट लोकोल स्कूल के प्रबंधन को औपचारिक रूप से कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए यह स्पष्ट करने को कहा है कि विद्यालय का प्रबंधन प्रशासक अधीन क्यों न लिया जाए। यह कार्वाई शिक्षा निदेशालय, राजस्व विभाग तथा दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए गए संयुक्त औचक निरीक्षण के बाद को गई है। निरीक्षण के दौरान विद्यालय द्वारा

पुस्तक प्रारंभिक स्पष्टीकरण का गहन परीक्षण किया गया, जो भ्रामक, असंतोषजनक तथा लगातार नियमों की अवहेलना का संकेत देने वाला पाया गया।

सरकार से मिली जानकारी के अनुसार, सरकारी कार्य में बाधा डाली गई। विद्यालय प्रबंधन ने निरीक्षण दल के साथ असहयोगपूर्ण एवं आक्रामक व्यवहार किया, भूमि संबंधी दस्तावेज, भवन एवं सुरक्षा संबंधी स्वीकृतियां उपलब्ध करने से इंकार किया तथा अधिकारियों को छात्रों से स्वतंत्र रूप से बातचीत करने से रोका। विद्यालय बिना वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र के संचालित पाया गया। अग्निशामक यंत्रों की वैधता समाप्त हो चुकी थी, रसायनशाला में सस्ययुक्त अम्ल जैसे खतरनाक रसायन असुरक्षित अवस्था में रखे गए थे तथा प्राथमिक उपचार की सामग्री भी एक्सपायर हो गई। इसके अलावा अवैध निर्माण एवं उपयोग में परिवर्तन मिला। भूमिगत पाईपिंग बेसमेंट का अवैध रूप से 18 कक्षाओं, संगीत एवं नृत्य कक्षाओं, एसटीईएम एवं रोबोटिक्स लैब तथा सीबीएसई परीक्षा केंद्र के रूप में उपयोग किया जा रहा था।

डीटीसी संविदा कर्मचारियों की मांगों को पूरा नहीं किया गया तो करेंगे आंदोलन : शिवसेना

नहीं दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के सड़क कर्मचारियों की मांगों को लेकर शिवजयंती दिल्ली प्रदेश अखिल संघीय घाघरी में सोमवार को दिल्ली सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि डीटीसी के सड़क कर्मचारियों के लिए बसिक सड़क और ब्रेड पं तुरत प्रभाव स कियुक्त कियुक्त जा। यदि सरकार को जल्द ही वे विरंगनीयों को दूर भी कियुक्त, तो सड़क कर्मचारियों के हक और वित्तीय सुरक्षा के लिए अहोदलेन शुरू कियुक्त जायगा। संघीय घाघरी में कहा कि सड़क पर कार्यरत कर्मचारियों लंबे समय से कम वेतन का दंड इले रहे हैं और उनको सड़क का बंदी पूरी तरह टुट चुका है। राजधानी के हवाती महंगाई के इतर दंड में बेहद मामूली सैलरी पर परिवार का पालन पोषण करना और वजुला जगल कर्मचारियों लिए अत्यंत कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की इन जायज और लंबित मांगों को सड़क 20 जून 2026 को एक प्रतिनिधित्व में दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमर रिये वे आवस पर पहुंचकर उन्हें ह्यापन सौपा था। ह्यापन के मध्यम से सरकार का ध्यान इत स आकषित कियुक्त कि दिन-रात दिल्ली की सड़कों पर जगल को निहार्त सेवा देते हैं सड़क चालकों और परिवालकों के अधिकारों की लागतार अनदेखी जा रही है। संदीप सौरभ में मुख्यमंत्री कार्यालय और उरारजगपन से इस मामले पर तत्काल संहान लेने की अपील की है।

हिंदूराव अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण किए गए
स्थापित, महापौर ने किया लोकार्पण

नव दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के पूर्व हिंदू राज अस्पताल में स्थापित को स्वास्थ्य सेवाओं का नया अध्याय लिखते हुए अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं एवं आधुनिक उपकरणों को संघर्ष किया गया। वहीं अस्पताल में वर्ष 2001 में प्रवेश हुए डिप्लोमा ऑफ मेथनल बुक्स (डीएनबी) कार्यक्रम की शैक्षणिक उत्कृष्टता के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष समारोह का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर महोदय प्रवेश वाली में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं एवं आधुनिक उपकरणों का लोकार्पण करते हुए इसे मील का पथर बताया। इस अवसर पर महोदय वाली के अलावा उप-महोदय डॉ. मोनिका पंत, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह, चिकित्सा सहायता एवं जन-स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष मनीषा चौहान, सिटी एंजनी पाल की अध्यक्ष उषा शर्मा, पार्षद निवेश कटार, पार्षद राजपाल राजा, दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजय धिवरवार, अतिरिक्त आयुक्त पंजन नरेश अग्रवाल तथा चिकित्सा अधिकार्य डॉ. सुमन मेहतादरा आदि मौजूद थे। इस अवसर पर अस्पताल में उन्नत कैजुअल्टी (आपातकालीन) विभाग, धर्मशाला एवं फिजियोथेरेपी ब्लॉक, इंटीग्रेटेड ब्लड गैस कलेशन सेंटर, नव नगर विभाग में स्थापित अत्याधुनिक उपकरण, आधुनिक 4के लैप्रोस्कोपी सिस्टम, सी-आरटी मशीन सहित अनेक स्वास्थ्य सुविधाओं का लोकार्पण किया गया।

‘दिल्ली लक्ष्मी योजना’ डेढ़ लाख से अधिक पंजीकरण, लेकिन 10,723 ही आवेदन हुए पूरे

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दो दिन पहले बड़े ही भव्य समारोह में 'दिल्ली सस्की योजना' का शुभारंभ किया था। इसका कारा दावा है कि इस योजना का तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह '2,500 रुपये' की आर्थिक सहायता मिलेगी। योजना का लंबे समय से इंटरज कर रही महिलाओं ने बड़ी संख्या में पेटल पर पंजीकरण तो कराया, लेकिन आवेदन प्रक्रिया के शुरुआती आंकड़े कई सवाल भी खड़े कर रहे हैं।

दिल्ली सरकार से प्राप्त ताजा आंकड़े के अनुसार सोमवार सुबह 7:48 बजे तक 1 लाख 54 हजार 410 से अधिक महिलाओं ने पंजीकरण कराया, जबकि केवल 10 हजार 723 आवेदन ही अंतिम रूप से जमा (फाइनल सबमिट) हो सके। यानी पंजीकरण करने वाली महिलाओं की तुलना में अंतिम रूप से आवेदन पुरा करने वालों की संख्या

- ऑनलाइन प्रक्रिया और पात्रता की शर्तों में उलझीं महिलाएं, आ रही दिक्कतें
- चुनावी वादे और मौजूदा प्रक्रिया पर उठने लगे सवाल

काफी कने है। योजना के शुभारंभ के बाद बड़ी संख्या में महिलाओं ने आवेदन प्रक्रिया शुरू की, लेकिन कई महिलाओं का कहना है कि पात्रता की शर्तों, दस्तावेजों के सत्यापन और ऑनलाइन प्रक्रिया के कारण आवेदन पूरा करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। कई आवेदकों को तकनीकी दिक्कतें भी सामने आने की बात कह रहे हैं, जिसके चलते बड़ी संख्या में आवेदन अभी अधूरे हैं। हालांकि दिल्ली सरकार का दावा है कि आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और केवल प्राय लाभार्थियों को ही योजना का लाभ दिया जाएगा।

चुनाव के दौरान नहीं थीं यह शर्तें

वता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान भाजपा ने महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये देने का वादा किया था। उस समय इस योजना को लेकर विस्तृत पात्रता शर्तों और आवेदन प्रक्रिया पर ज्यादा चर्चा नहीं हुई थी। अब योजना लागू होने के बाद निर्धारित पात्रता मानदंड और दस्तावेजों आवश्यकताओं को देखकर कई महिलाएँ सवाल उठा रही हैं कि क्या सभी जरूरतमंद महिलाओं के लिए इन शर्तों को पूरा करना आसान होगा।

आवेदन प्रक्रिया को और सरल बनाया जाना चाहिए

पर जल्परन्तर्मे महिलाओं का कहना है कि यदि चाहती है कि अधिक से अधिक पात्र महिलाएं जिला उठाए, तो आवेदन प्रक्रिया को और सरल चाहिए। साथ ही ऐसे सहायता केंद्र भी स्थापित न चाहिए, जहां तकनीकी जानकारी नहीं रखने को आगे आवेदन भरने में मदद मिले। उनके में यह स्पष्ट होना कि पंजीकरण करने वाली से कितनी महिलाएं सही औपचारिकताएं पूरी कर सके। स्पष्ट से आवेदन जमा कर पाती हैं। किफाहत के अर्थों की संकेत दे रहे हैं कि योजना को तेवर दे रहे हैं, लेकिन आवेदन प्रक्रिया और पात्रता की शर्तें स्पष्ट से महिलाओं के लिए चुनौती बन रही है।

छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ निकाला मार्च



हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के हजारों कार्यकर्ताओं ने सोमवार को एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में 'छात्र न्याय मार्च' निकाला। यह मार्च जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ कथित हिंसा, प्लैट गन के इस्तेमाल और कार्यकर्ताई के विरोध में आयोजित किया गया था। मार्च को एनएसयूआई के राष्ट्रीय कार्यालय से शुरू होकर जंतर-मंतर की ओर बढ़ा। इस दौरान छात्रों और कार्यकर्ताओं ने न्याय और जवाबदेही की मांग को लेकर नारेबाजी लगाए। मार्च को रोकने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया और रास्ते में बैरिकेडिंग की गई। इस दौरान एनएसयूआई के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी

लिया गया। हालाँकि बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। प्रदर्शनकारियों से संबंधित करते हुए एएसएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए छात्रों के साथ हुए व्यवहार के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया। विनोद जाखड़ ने कहा कि छात्र इस देश का भविष्य हैं, अपराधी नहीं। शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठा रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस बल, गैलेट गन, बैरिकेडिंग और हिरासत का इस्तेमाल पूरी तरह अस्वीकार्य है। छात्रों की आवाज दबाने की हथकौड़ी हमारे संघर्ष को और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी प्रकार से देश के छात्रों और युवाओं की आवाज को दबा नहीं सकती है।



खबर संक्षेप

महिला टीचर की हत्या करने वाला, हत्यारोपी काबू

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा संगीन अपराधों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है। 3 अगस्त को सिकरौना गांव स्थित सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में महिला टीचर पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या करने के मामले में एवीटीएस सिकरौना की टीम ने सूचना के 2 घंटे के अंदर ही आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने बताया कि 3 अगस्त को सुबह के समय गांव सिकरौना स्थित सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक महिला को चाकू मारकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। संबंध में मृतका के पति विकास की शिकायत पर थाना सेक्टर 58 में मामला दर्ज कर जांच आरंभ की गई।

गजियाबाद में 4 से 12 अगस्त तक स्कूल बंद



गजियाबाद। गजियाबाद में 4 से 12 अगस्त तक स्कूल बंद रहेंगे। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर गजियाबाद के जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मोदंड ने बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने बताया क जनपद के सभी स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में कक्षा 1 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 4 अगस्त से 12 अगस्त 2026 तक अवकाश घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था और विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया। है। इसी के चलते सोमवार को जिलाधिकारी ने यह आदेश जारी किया है। शहर के स्कूल बंद भले ही बंद रहेंगे लेकिन, ऑनलाइन क्लास चलेंगी। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी।

व्यापारियों की समस्याओं का मौके पर समाधान करने की मांग की व्यापार कल्याण आयोग के गठन की मांग व्यापार सुरक्षा मंच ने उठाई आवाज

हरिभूमि न्यूज ►►गुरुग्राम

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार सुरक्षा मंच की बैठक सेक्टर-17 स्थित माधव सेवा केंद्र में आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने कहा कि व्यापारी देश के राजस्व संग्रह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए उसे सम्मान, सुरक्षा और बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने प्रत्येक जिले में हर माह व्यापारी समाधान शिविर आयोजित कर व्यापारियों की समस्याओं का मौके पर समाधान करने की मांग की। राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र चौधरी ने व्यापारियों की समस्याओं पर चिंता जताते हुए आर्थिक कारणों से जान गंवाने वाले व्यापारियों के परिवारों को सरकार द्वारा उचित मुआवजा और सहायता देने की मांग की। उन्होंने 5 अगस्त को नारनौल में आयोजित मंच की बैठक में अधिक से अधिक व्यापारियों से शामिल होने का आह्वान किया। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. नर्जेंद्र गुप्ता ने कहा कि जब देश के राजस्व में व्यापार और टैक्स का इतना बड़ा योगदान है, तो व्यापारियों की सुरक्षा, बीमा, पेंशन तथा दुर्घटना में हताहत होने पर उचित मुआवजा सुनिश्चित करने के लिए व्यापारी कल्याण बोर्ड के स्थान पर व्यापारी कल्याण आयोग का गठन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भारत में विश्व व्यापार

मरीज की रिकवरी की उम्मीद को फिर से जिता कर दिया दो बार थम गई 51 वर्षीय महिला की दिल की धड़कन, यथार्थ हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ►►फरीदाबाद

मेजर हार्ट अटैक, लगातार दो बार कार्डियक अरेस्ट और करीब 20 दिन तक आईसीयू में रहने के बाद 51 वर्षीय एक महिला ने नई जिंदगी पाई। यथार्थ हॉस्पिटल, सेक्टर-88 फरीदाबाद के डॉक्टरों ने एडवांस कार्डियक केयर और लगातार टीकावर्क के दम पर उन्हें मौत के मुंह से वापस निकाला। लगभग तीन सप्ताह तक वह एक के बाद एक कई जानलेवा जटिलताओं से जूझती रही और आखिरकार स्वस्थ होकर अस्पताल से घर लौटीं।

डायबिटीज में तेज दस्त इस महिला को सीने में पीड़ित और अत्यधिक पसीना आने के बाद अस्पताल लाया गया। जांच में उन्हें

महिलाओं का संगठन समाज का नेतृत्व करने को तैयार

हरिभूमि न्यूज ►►फरीदाबाद

हरियाणा महिला स्वर्णकार संगठन की महत्वपूर्ण बैठक सेक्टर-19 फरीदाबाद में युवा स्वर्णकार समाज के संयोजक अंकुश वर्मा एवं महिला संगठन की सचिव पिकी वर्मा के निवास पर आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से हरियाणा महिला स्वर्णकार संगठन की प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व

फरीदाबाद को 16वें वित्त आयोग के तहत 3600 करोड़ की बड़ी सौगात नागरिकों को बेहतर शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता: राजेश नागर

हरिभूमि न्यूज ►►फरीदाबाद

हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजेश नागर ने कहा कि ग्रेटर फरीदाबाद क्षेत्र में सड़क, पेयजल, सीवरज, स्ट्रीट लाइट, सफाई और सामुदायिक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा जिन कार्यों की जिम्मेदारी संबंधित एजेंसियों की है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए।

समीक्षा बैठक में मंत्री राजेश नागर ने एचएसवीपी, नगर निगम फरीदाबाद, एफएमडीए, डीटीपी, डीएचबीवीएन, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा अन्य

खास बातें

- जल संरचना परियोजनाओं को मिलेगी नई गति
- लाइसेंस कॉलोनियां में एसटीपी और ऑनलाइन मॉनिटरिंग

संबंधित विभागों के अधिकारियों से क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में नगर निगम कमिश्नर धीरेंद्र खड्गटा, उपायुक्त आयुष सिन्हा, एचएसवीपी एडमिनिस्ट्रेटर धीरज तथा एडीसी अंजलि श्रोत्रिया भी उपस्थित रहे।



संबंधित विभागों के अधिकारियों से क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में नगर निगम कमिश्नर धीरेंद्र खड्गटा, उपायुक्त आयुष सिन्हा, एचएसवीपी एडमिनिस्ट्रेटर धीरज तथा एडीसी अंजलि श्रोत्रिया भी उपस्थित रहे।

फ्लैट करीब तीन हजार रुपए की राशि एकमुश्त वसूली गई। सोसाइटी में 1532 परिवार रहते हैं, जिससे कुल करीब 45 लाख रुपये वसूल किए जाने का दावा किया गया। उनका कहना है कि अफोर्डेबल हाउसिंग परियोजना होने के कारण यहां मध्यम और निम्न-मध्यम वर्ग के परिवार रहते हैं, ऐसे में अचानक अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना उचित नहीं है। प्रदर्शन कर रहे निवासियों ने आरोप लगाया कि प्रबंधन ने मेंटेनेंस चार्ज बढ़ाने का कारण स्टाफ के वेतन में वृद्धि बताया, जबकि यह विभागीय नियमों के अनुरूप नहीं है। उनका कहना है कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के आदेशों के अनुसार

मैनेजमेंट स्टाफ और इंजीनियरिंग कर्मचारियों का वेतन बिल्डर को वहन करना चाहिए। रेंजिडेंट्स ने अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी के क्लॉज 4(वी) का हवाला देते हुए कहा कि 6 मई 2022 को ऑनस्पूेशन सर्वेफिकेट मिलने के आधार पर 5 मई 2027 तक रखरखाव का खर्च डेवलपर को उठाना अनिवार्य है। ऐसे में निवासियों से अतिरिक्त मेंटेनेंस शुल्क वसूलना नीति के विपरीत बताया गया। प्रदर्शनकारियों ने मांगे की निष्पक्ष जांच कर वसूली गई राशि लौटाने और भविष्य में किसी भी शुल्क वृद्धि से पहले नियमानुसार सहमत लेने की मांग की।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विक्की**, पुत्र रवि उर्फ रणजीत, निवासी **सी-73/5, पौर बगची, रामदास रोड, प्रताप नगर, मेट्रो स्टेशन, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 187/2026 धारा 309(4)/317(2)/311/3(5) भारतीय न्याय संहिता, धाना मौर्या एक्स्लेव, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **विक्की** मित नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **विक्की** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 187/2026 धारा 309(4)/317(2)/311/3(5) भारतीय न्याय संहिता, धाना मौर्या एक्स्लेव, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **विक्की** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **28.09.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सूत्री अनुराधा जिंदल
अतिरिक्त मुख्य न्याधिक दण्डाधिकारी, उत्तर-पश्चिम कमरा नं.101, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/10659/NW/2026

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, अजय, पुत्र: हरे राम, पता: हाईवे अंडर पास, मदर डेयरी रोड, मंडावली, दिल्ली, ने **FIR No. 380/2020, U/s: 379/511 IPC, धाना: मंडावली, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, अजय, मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, अजय, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 380/2020, U/s: 379/511 IPC, धाना: मंडावली, दिल्ली**, के उक्त अभियुक्त, अजय, से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-03, पूर्व जिला, कमरा नं. 16, कडकडबुमा कोर्ट, दिल्ली

DP/10521/ED/2026 (Court Matter)

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय, सोनीपत।

मु.न. 424 दिनांक 23.07.2026 धारा 127 (6) बी.एन.एस. धाना खरखोदा जिला सोनीपत

गुमशुदा की पहचान
नाम - डिम्पल उर्फ हन्नी।
पति का नाम - विकास कुमार।
पता - वासी सैसपुर जिला सोनीपत।
उम्र -24 वर्ष।
कद - 5 फुट 5 इंच।
हुलिया- रंग सांवला, लम्बुतरा चेहरा, काले बाल, काली आँखें, सामान्य नाक।

पहनावा - लाल रंग का सूट सलवार व पैरों में सैण्डल पहने हुए है।
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 22.07.2026 को डिम्पल उर्फ हन्नी पत्नी विकास कुमार वासी सैदपुर जिला सोनीपत, बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गई है अब तक वापिस नहीं आई है। जिस सम्बन्ध में उपरोक्त मुकदमा धाना में दर्ज रजिस्टर है। अगर किसी को उपरोक्त गुमशुदगी बारे कोई सूचना मिलती है तो निम्नलिखित नंबरों पर सूचित करें।
प्रबन्धक धाना मो. नं. - 7419410536
अनुसंधानकर्ता मो. नं. - 9416167091
कन्दौल रुम सोनीपत- 0130-2222903,100

हस्ता/-अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त,
मुख्यालय, सोनीपत।

पीआरडीएच-1084/11/5124/2027/47732/88/7 दि. 03.08.26

हरियाणा सरकार			निविदा सूचना			
क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लाभान्) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोटल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लॉनिवि भ व प पलवल	पलवल जिला में (हैड-5054-ग्रुप-1 के तहत) कार्य कार्यक्रम 2026-27 के तहत प्रांतीय मंडल, लॉनिवि भ व प शाखा, पलवल में हथीन निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न 6 अदर रोड को चौड़ा करने/मजबूतीकरण के प्रावधान द्वारा विशेष मरम्मत, अप्रोच रोड से गांव अंधरोला (आईडी 3361) आरडी 0.00 से 0.16 कि.मी., हथीन से लाखनाका (आईडी 3365) आरडी 3.53 से 4.03 कि.मी., अप्रोच रोड से मलाई (आईडी 3382) आरडी 0.00 से 0.20 कि.मी., मलाई से अलावलपुर रोड (आईडी 3383) आरडी 0.00 से 0.89 कि.मी., मलाई से लाखनाका रोड (आईडी 3385) आरडी 0.00 से 2.88 किमी और भूदपुर से खिल्लुका रोड (आईडी 10153) आरडी 0.00 से 2.03 किमी. तक (जीएसटी के बिना) + 3 कार्य।	31.07.2026 09.08.2026	1601.70 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466219169 pwd-eeepd-palwal@hry.nic.in
2	लॉनिवि भ व प पलवल	पलवल जिले में पलवल में राजकीय आईटीआई के परिसर में वोक्ेशनल बिल्डिंग का विखण्डन (जीएसटी के बिना)+ 3 कार्य।	31.07.2026 06.08.2026	26.52 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466219169 pwd-eeepd-palwal@hry.nic.in
3	लॉनिवि भ व प करनवाल	करनवाल जिले में घरीडा निर्वाचन क्षेत्र में करनवाल रोड से सोहाना रसुलपुर रोड (रोड आईडी 7245) (ओडीआर) पर सीवर लाइन बिछाने के लिए जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा बनाए गए रोड कट का पुनरोद्धार।	31.07.2026 06.08.2026	17.88 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9876009311 pwd-eeepd-karnal@hry.nic.in
4	लॉनिवि भ व प यमुनानगर	यमुनानगर जिले में किमी 81.90 पर कलानौर से कैल रोड (शहरी भाग) यमुनानगर (आईडी 11597) पर मौजूदा आरओबी के नीचे अंडरपास का निर्माण।	31.07.2026 10.08.2026	112.55 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1732237834 pwd-eeepd-yamunaganar@hry.nic.in
5	लॉनिवि भ व प अम्बाला	अम्बाला जिले में भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, 1857, अम्बाला छावनी के शहीदों के सम्मान में अम्बाला छावनी में युद्ध स्मारक (आजादी की पहली लड़ाई का शहीदी स्मारक) का निर्माण, मैमोरियल टायर का आर्ट एगिजिटि वर्क (फेज-III)।	07.07.2026 08.08.2026	1228.85 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1712977224 pwd.eepd1.ambala@gmail.com
6	सिविल सर्जन, कैथल	ई-रिक्शा को किराये पर लेना।	31.07.2026 13.08.2026	ईएमडी 20000	https://etenders.hry.nic.in	7988672699 drugstorektl@gmail.com
7	पंचायती राज रेवाड़ी	रोखपुर - पंचायत भूमि ब्लॉक बावल, जिला रेवाड़ी में दुकान का निर्माण।	28.07.2026 05.08.2026	71.28 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466112077 xenpr.rwr@gmail.com
8	बीपीएस जीएमसी फॉर विमन खानपुर कलां सोनीपत	बीपीएस जीएमसी (डब्ल्यू) खानपुर कलां सोनीपत में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) स्टोरेज वेसेल सिस्टम का प्रचालन, आपूर्ति, स्थापना और लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति + 2 अन्य कार्य हेतु ई-निविदा।	03.08.2026 18.08.2026	ईएमडी 90,000	https://etenders.hry.nic.in	9466133361 bpsmc.purchase@gmail.com
9	बीपीएस जीएमसी फॉर विमन खानपुर कलां सोनीपत	बीपीएस जीएमसी फॉर विमन खानपुर कलां सोनीपत में वाटर प्रूफिंग लिफ्ट्स पिट्स + 5 अन्य कार्यों हेतु निविदा।	30.07.2026 10.08.2026	55,000/-	https://etenders.hry.nic.in	9416803361 bpsmc.purchase@gmail.com
10	वन विभाग भिवानी	भिवानी प्रथम ब्लॉक में नये पौधारोपण और रखरखाव तथा 12 अन्य कार्यों हेतु निविदा।	31.07.2026 06.08.2026	765.72 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01664-242430 dfo.bhiwani@yahoo.com
11	वन विभाग सिरसा	राज्य, कैम्पा और डब्ल्यूबीआई स्क्रीम के तहत सिरसा, रानियां, डबवाली और कालावाली रेंज में नये पौधारोपण कार्यों के सम्बन्ध में।	03.08.2026 10.08.2026	988.80 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9416067122 forest_srisa@yahoo.com
12	वन विभाग हिसार	12 वन ब्लॉकवार - हिसार वन मण्डल के अधिकांश-क्षेत्र के तहत हिसार, हांसी और आदमपुर रेंज में बायो-ड्रेनेज स्क्रीम प्लांटेशन कार्यों के लिए हिसार वन मण्डल द्वारा फ्लैटिड निविदा।	01.08.2026 06.08.2026	417.57 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9992222537 dfohisar1@gmail.com
13	पंचायती राज रेवाड़ी	भटसाना रोड गेट से ततारपुर-एन.आर. बास से नंदलाल की ढाणी तक रास्ता का निर्माण + 5 कार्य।	30.07.2026 05.08.2026	184.84 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466112077 xenpr.rwr@gmail.com
14	पंचायती राज करनवाल	गांव सौकरा ब्लॉक नीलोखेड़ी में राजकीय विद्यालय से सरदार करनल सिंह नम्बरदार चौपाल तक आईएलपीबी गली का निर्माण।	29.07.2026 08.08.2026	82.14 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896634422 prexeeng.krl@hry.nic.in
15	महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा (पंजीरी प्लांट घरीडा)	वर्ष 2026-27 हेतु माइक्रोन्यूट्रिएंट्स प्रोग्राम्स को खरीद हेतु दर अनुबंध (निविदा आईडी :- 2026_HRY_538154_1)।	03.08.2026 23.08.2026	6 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466703499 panjriplantvogharaunda@yahoo.c

अधिक जानकारी हेतु कृपया ध्यान दें: www.etenders.hry.nic.in

पीआरडीएच-11/2027/300/47773/1/88/7 दि. 03.08.26

खबर संक्षेप

दुष्कर्म के प्रयास के आरोपी की पीट-पीटकर हत्या

रांची। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम कुमारडुंगी थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को ठेगा दिखाते हुए गंडकिदा गांव में दंपती की कुल्हाड़ी से हत्या के मामले का खुलासा दो दिन ही बीते थे कि पतारहातु गांव के बारुसाई टोला में भीड़ ने माँब लिंग्चिंग की वारदात को अंजाम दिया। ग्रामीणों ने 53 वर्षीय कुंडिया सिंकु पर एक महिला के साथ दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाते हुए पीट-पीटकर हत्या कर दी।

बिहार में पैसेंजर ट्रेन के इंजन में लगी भीषण आग पटना। सहरसा-मानसी रेलखंड के सिमरी बख्तियारपुर रेलवे स्टेशन पर समस्तीपुर-सहरसा पैसेंजर ट्रेन के इंजन बोगी में आग लग गई। घटना प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर खड़ी ट्रेन नंबर 63344 में हुई। आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया कि आग कैसे और क्यों लगी। हालांकि, घटना में किसी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। दमकल की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया।

मंदिर से 25 लाख के चांदी के छत्र और मुकुट चोरी लखनऊ। राजधानी के न्यू हैदराबाद कॉलोनी में स्थित पंचमुखी मंदिर में रविवार देर रात 25 लाख के चांदी के छत्र और मुकुटी चोरी हो गए। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। सरंक्षक प्रदीप कुमार शर्मा की तहरीर पर महानगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की।

4 लाख से ... उनके पीछे हाथी पर भगवान मनमहेश की प्रतिमा सुशोभित रही। सवारी मार्ग पर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष गुंजते रहे। सोमवार शाम तक करीब 4 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। शाही सवारी शिप्रा तट पहुंची, जहां विधि-विधान से पूजन-अभिषेक किया गया और हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सड़क सुरक्षा को ... उपलब्ध होगी, वहीं दूसरी ओर आधुनिक संचार तकनीक के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी।

लोकसभा में हंगामे ... लोकसभा में पेश किया। यहां बता दें कि यह पहला मौका नहीं है। जब लोकसभा से बिना किसी चर्चा के विधेयक को मंजूरी प्रदान की गई है। पूर्व में भी दो विधेयक बिना चर्चा के सदन में पारित किए गए हैं। जिनमें जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक और वंदे मातरम विधेयक मुख्य रूप से शामिल हैं।

अनसुनी की गई ... नहीं बदले, हंगामा चलता रहा। जिसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही को पांच मिनट के अंदर ही 11 बजकर 5 मिनट से 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। एक बार के स्थगन के बाद 12 बजे भी सदन के हालात में कोई तब्दीली नहीं आई। जिसे देखते हुए पीठासीन सभापति के पी.तन्नेटी ने कार्यवाही को कुछ ही मिनटों में 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

1956 के कानून ... का प्रभावी ढंग से निपटारा किया जा सकेगा और संविधान पीठों के गठन के मामले में भी आसानी होगी। उन्होंने इस विधेयक को देश के संवैधानिक मूल्यों, कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में मददगार बताया है।

पदक विजेता खिलाड़ियों को दी बधाई: उधर, लोकसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही के आगाज के साथ 23वें राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतने वाले देश के खिलाड़ियों को समूचे सदन की ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इन खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत को कुल 39 पदक मिले हैं। जिनमें 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं। पदक तालिका में देश ने चौथा स्थान प्राप्त किया है। महिला खिलाड़ियों की बात करें तो उन्होंने अपनी अद्भुत क्षमता और असाधारण प्रतिभा का परिचय देते हुए 8 स्वर्ण पदक जीते

डिजिटल निगरानी सिस्टम से अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण, बढ़ा खनन राजस्व

उत्तर प्रदेश भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने आईएमएसएस के अंतर्गत खनन क्षेत्रों की जियो-फेंसिंग, कैमरा युक्त वे-ब्रिज, खनिज परिवहन करने वाले वाहनों पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) माइन टैग, विभिन्न राजमार्गों पर आईओटी व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मानव रहित स्वचालित चेकगेट स्थापित किए हैं...

अब तक 2.41 लाख से अधिक ई-नोटिस जारी, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने की 756 करोड़ रुपए की वसूली

1.53 लाख से अधिक वाहनों पर सख्त निगरानी



क्षेत्रों की 24 घंटे निगरानी की जा रही है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है व राजस्व संरक्षण को नई मजबूती मिली है।

प्रदेश में 62 चेकगेट संचालित हैं, जबकि दो नए चेकगेट निर्माणाधीन हैं। 75 आरएफआईडी रीडर और एम-चेक एप की सहायता से निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है। अब तक 1.53 लाख से अधिक वाहनों पर आरएफआईडी माइन टैग लगाए जा चुके हैं, जिससे खनिज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के साथ-साथ सरकारी राजस्व बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

एकीकृत खनन निगरानी तंत्र लागू उत्तर प्रदेश खनन नीति 2017 के तहत एकीकृत खनन निगरानी तंत्र को लागू किया गया था। वहीं 16 जुलाई 2026 तक आईएमएसएस के माध्यम से 2.41 लाख से अधिक ई-नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इन ई-नोटिसों के माध्यम से 998 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि निर्धारित की गई है। इसमें से अब तक करीब 756 करोड़ रुपए से अधिक की वसूली भी की जा चुकी है। इससे योगी सरकार की तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था अवैध खनन व खनिज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के साथ-साथ सरकारी राजस्व बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मानसून सत्र प्रारंभ होने से पहले सीएम योगी ने की पत्रकारों से चर्चा

एक-डेढ़ सप्ताह में लागू होगा आउटसोर्स कमीशन, न्यूनतम मानदंड्य होगा सुनिश्चित

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गरीब, युवा, महिला व किसान के मुद्दे पर विपक्ष को खरी-खरी सुनाते हुए कहा कि ये सभी डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता में हैं...

हरिभूमि न्यूज़ ►► लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्तमान विधानसभा के सदस्य आलम बदी के निधन पर मानसून सत्र के पहले दिन शोक जताया। सीएम ने 21 पूर्व सदस्यों को भी अपनी भावभानी श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम ने कहा कि उम्र के इस पड़ाव पर भी आलम बदी जी की राजनीतिक सम्र्थिता हर जनप्रतिनिधि को प्रेरित करती थी। उनका निर्वाचित होना यह दर्शाता है कि जनप्रतिनिधि के रूप में यदि हम जनता व क्षेत्र के प्रति समर्पित रहें तो आयु मायने नहीं रखती। इसके बाद मानसून सत्र मंगलवार सुबह तक के लिए स्थगित हो गया है। योगी ने कहा कि यह महीना हमारे लिए बहुत अहम है। यह महीना खेती और किसानों के नजरिए से, स्कूलों और कॉलेजों में दाखिले के लिए छात्रों और युवाओं के लिए और सावन के पवित्र महीने में धार्मिक यात्रा करने वाले कांवड़ यात्रियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

यूपी विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह तक के लिए स्थगित

खाद की व्यवस्था सुनिश्चित काने का निर्देश

सीएम ने किसानों के मुद्दे पर सपा को घेरा और अपनी सरकार में गठना किसानों के लाभों को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि 2007 से 2017 के बीच 29 चीनी मिलें बंद हुईं, 21 चीनी मिलें औने-पौने दाम पर बेच दी गईं, लेकिन हमारी सरकारों में 3.23 लाख करोड़ से अधिक का गठना मूल्य भुगतान हुआ है। 1122 में से 105 से अधिक चीनी मिलें चौथे-पांचवें दिन ही किसानों के खाते में गठना मूल्य का भुगतान कर रही हैं। समाजवादी पार्टी के समय में 10 वर्ष का गठना मूल्य बकाया था। ये लोग किसानों के हितों का संरक्षण करने के बजाय उन्हें आत्महत्या और पलायन के लिए मजबूर करते थे। उस समय किसानों के दृष्टिकोण से सुरक्षित नहीं थे। सरकार आज 16 लाख दृष्टिकोण को विशुद्ध बिजली उपलब्ध करा रही है।

अनुपूर्क बजट का सहारा लिया जाएगा

सीएम ने बड़ी घोषणा की कि सरकार एक-डेढ़ सप्ताह में आउटसोर्स कमीशन को लागू करने के साथ ही न्यूनतम मानदंड्य सुनिश्चित करने जा रही है। आगमनादी व आशा कार्यकर्ताओं, रसोइयों व गाम चौकीदारों को भी उचित मानदंड्य प्राप्त हो और उनकी सेवाएं प्रदेश के हित को संवर्धित करने के लिए कार्य करें, इसके लिए अनुपूर्क बजट का सहारा लिया गया है।

सदन में स्वस्थ चर्चा- परिचर्चा करें जनप्रतिनिधि

सीएम ने सभी जनप्रतिनिधियों से कहा कि सदन में स्वस्थ चर्चा-परिचर्चा बनाए रखने के लिए कार्य करें।

पेज एक का शेष

अपने विचार रखे विधेयक पारित होने के बाद राजस्वसभा की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

2002 बैच के ... के साथ टेलीफोन पर बातचीत की थी। जिसमें उन्होंने खासतौर पर यह कहा था कि हालिया समय में मालवाहक जहाजों और नाविकों पर हमले नहीं होने चाहिए। दोनों शीर्ष मंत्रियों ने क्षेत्र में बदलते सुरक्षा हालात पर भी विचार-विमर्श किया था। जयशंकर ने अपनी एक एक्स पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की।

तनाव के दौर में हुई नियुक्ति: गौरतलब है कि ईरान में भारत के नए राजदूत की नियुक्ति एक ऐसे समय पर हुई है। जब अमेरिका से चल रहे युद्ध की वजह से भारत के साथ भी ईरान के रणनीतिक और व्यापारिक संबंधों में उतार-चढ़ाव का दौर चल रहा है। होमुज जलमंडलमध्य में भी वर्तमान समय में भारत के कई व्यापारिक जहाज और उनमें सवार नाविक फंसे हुए हैं। जबकि कुछ नाविकों की युद्ध के दौरान हुई हमलों में मौत भी हो चुकी है। इन सबके बीच की गई नेगी की नियुक्ति अपने आप में काफी महत्वपूर्ण हो जाती है।

बातचीत-कूटनीति से हल होगी समस्या : नई दिल्ली की तरफ से ईरान, अमेरिका सहित समूची दुनिया को एकमात्र यही संदेश दिया गया है कि संघर्ष के बीच बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही समस्या का समाधान निकाला जा सकता है। वैश्विक महत्व के जलमार्गों पर नौबत बनने और जहाजों के सुरक्षित आवागमन को बनाए रखना चाहिए। भारत किसी भी सूरत में क्षेत्र में नाविकों, नागरिक और बुनियादी ढांचों पर किए जा रहे हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

नए सीडीए ने संभाला पाक में कार्यभार : एक अन्य घटनाक्रम के तहत बेरोजगारी की समस्या दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस क्षेत्र की पर्याप्त सुरक्षा और सहायता के लिए अपेक्षित कदम नहीं उठा रही है। बीजेडी सांसद संयुक्त मिश्रा ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र देश की जीडीपी में लगभग 36 प्रतिशत योगदान देता है तथा करीब 30 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है। उन्होंने चिंता जताई कि इस क्षेत्र के 8 से 10 लाख करोड़ रुपये विभिन्न स्तरों पर भुगतान के रूप में फंसे हुए हैं। उन्होंने सरकार से केवल औपचारिक नहीं बल्कि ठोस सुधार लागू करने की मांग की। विधेयक पर वाईएसआरसीपी के गोविला बाबुराव, एआईडीएमके के एम. शंभूदुराई, एनसीपी के राजेंद्र जैन, टीडीपी के मरतान राव यादव बीधा, बीआरए के रवि चंद्र वड्डूराजू, यूपीपीएल के प्रमोद बोरो तथा बसपा के रामजी सहित कई सदस्यों ने भी

अकादमी (एनडीए) खड़कवासला के 78 पाठ्यक्रम के पूर्व छात्र रहे हैं। भारतीय नौसेना में वह 1 जुलाई 1991 को कमीशन हुए थे। उन्हें मूलरूप से संचार, इलेक्ट्रॉनिक युद्धकला के विशेषज्ञ के रूप में भी जाना जाता है। इसके अलावा उन्हें समुद्री बल में कार्य करने का साढ़े तीन दशक से अधिक का अनुभव प्राप्त है।

आरएसएस प्रमुख... आयोजित इस वार्षिक चैंपियनशिप सम्मेलन में देश के 100 से अधिक शहरों से 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग के दो हजार से अधिक स्कूली और कॉलेज छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 6 अगस्त को मुंबई में आईआईएमयूएन के सालाना चैंपियनशिप सम्मेलन में जैन-जी और जेन अल्फा के 2,000 से अधिक छात्रों से संवाद करेंगे। यह सत्र भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और राष्ट्र-निर्माण में युवा पीढ़ी की बढ़ती भागीदारी को रेखांकित करेगा, जो नेतृत्व और संवाद के महत्व पर जोर देता है। इस कॉन्फ्रेंस में 15 से 19 साल की उम्र के हाई स्कूल के छात्र एक साथ आते हैं, और इसमें पूरे भारत के स्कूलों और कॉलेजों के छात्र हिस्सा लेते हैं। यह आयोजन ऐसे समय में हो रहा है जब युवा लोकतंत्र, नेतृत्व और राष्ट्र-निर्माण के जुड़ी चर्चाओं में तेजी से हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं श्री मोहन भागवत जी का आभारी हूँ कि उन्होंने इस अहम मोड़ पर इस सभा को संबोधित करने के हमारे निमंत्रण को स्वीकार किया। भागवत का संबोधन आईआईएमयूएन की मुख्य सालाना डॉ.सत्यांजल पांडेय ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। वह भारतीय विदेश सेवा के वर्ष 2008 बैच के अधिकारी हैं। पाकिस्तान से पहले डॉ.पांडेय श्रीलंका में भारत के उप-उच्चायुक्त के पद पर अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे थे।

नौसेना में डीजीएनओ बने वाइस एडमिरल चट्टा : उधर, रक्षा मंत्रालय के एक अहम अंग नौसेना के नए संचालन महानिदेशक (डीजीएनओ) के रूप में वाइस एडमिरल मनीष चट्टा ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। यह जिम्मेदारी उन्हें वाइस एडमिरल ए.एन.प्रमोद की जगह पर सौंपी गई है। जिन्होंने हाल ही में उप नौसेनाप्रमुख के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया है। नौसेना ने बताया कि वाइस एडमिरल चट्टा राष्ट्रीय रक्षा

आंदोलन ने इस सीट के चुनाव नतीजों पर विपरीत असर डाला। कुछ राजनैतिक विश्लेषक राम मंदिर चढ़ावा चोरी के हालिया घटनाक्रम से लेकर बिहार में तमाम मुद्दों पर जनआक्रोश को इस उपचुनाव में भाजपा की हार का कारण मान रहे हैं। उपचुनाव में सतारूद पार्टी के उम्मीदवार की हार पहले भी होती रही है। देशभर में ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएंगे। मध्यप्रदेश की दतिया सीट पर हुए उपचुनाव में भी सतारूद भाजपा सोमवार को हारी है, पर बांकीपुर पर राजनीति में दिलचस्पी रखने वाले लोगों का खास फोकस इसलिए है कि इस सीट पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस्तीफे के चलते उपचुनाव हो रहा था। सवाल यह भी उठ रहा है कि भाजपा बांकीपुर सीट पर बेहतर उम्मीदवार खड़ा करने में नाकाम रही। इसे पहले से ही नाखुश चल रहे मतदाताओं को लगा कि सतारूद पार्टी उपचुनाव को क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर कतई गंभीर नहीं है। जनसुराज के उम्मीदवार प्रशांत किशोर और उनके मुद्दों पर चुनाव प्रचार के दौरान जनता भरोसा करती नजर भी आई। किशोर ने बार बार यी दोहराया कि अगर कोई भी उम्मीदवार उनसे बेहतर लग रहा हो तो उसे वोट दें, मुझे नहीं। प्रशांत जनते थे कि बांकीपुर में भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंकी हुई है, इसलिए इस चुनावी रणनीतिकार ने खुद को बांकीपुर के मुद्दों से जोड़े रखा। उन्होंने अपनी जनसभाओं में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को इस पद के लिए अयोग्य बताते हुए भाजपा हाईकमान पर निशाना साधा है। प्रशांत किशोर की जमीनी स्तर की रणनीति और रोजगार, शिक्षा व सुरासन पर केंद्रित अभियान की सफलता का नतीजा है।

प्रशांत किशोर ने बांकीपुर जीत के बाद भाजपा हाईकमान से सम्राट चौधरी को हटाकर बिहार के लिए एक ऐसा मुख्यमंत्री नियुक्त करने का आग्रह किया है, जिसका आपराधिक पृष्ठभूमि न हो और जो शिक्षा, रोजगार व बिहार के विकास पर ध्यान केंद्रित करे। इस उपचुनाव के नतीजे को केंद्रीय भाजपा को एक सीधा संदेश माना जा रहा है कि बिहार की जनता स्वच्छ ऋवि और सक्षम नेतृत्व चाहती है, खासकर लोकसभा चुनावों से पहले। किशोर ने स्पष्ट किया कि यह जनादेश केवल विधायक चुनने से बढ़कर है, यह बिहार में बेहतर शासन और युवाओं के लिए पलायन रोकने की दिशा में बदलाव की मांग है।

प्रशांत किशोर ... जरूरत तब पड़ी जब भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हो गई; नवीन बाद में राज्यसभा के लिए चुने गए थे।

झारखंड में प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों छात्र सोनम वांगचुक जैसी भूख हड़ताल, अभिजीत दीपके



एजेसी ►► रांची दिल्ली के बाद अब झारखंड में युवाओं का प्रदर्शन लगातार बढ़ा होता जा रहा है। 14वीं परीक्षा जेएसएससी-सीजीएल और अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में बैठे सैकड़ों छात्रों के समर्थन में स्टूडेंट लीडर देवेंद्र नाथ महातो अनिश्चितकालीन भूखहड़ताल पर बैठ गए हैं। उनका कहना है कि झारखंड सरकार और आयोग, दोनों का मौजूदा रवैया राज्य भर के छात्रों का मनोबल गिरा रहा है। छात्रों का मनोबल बनाए रखने और इस संघर्ष को आगे बढ़ाने के लिए, मैं आज से अन्न-जल त्याग रहा हूं। इस बीच कॉकरोच जनता पार्टी ने भी इस प्रदर्शन को समर्थन देने की पेपेकश की है जिसके बाद ये और तेज हो गया है।

भूख हड़ताल पर बैठे देवेंद्र नाथ महातो जेपीएससी-जेएसएससी में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के विरोध में जयपाल सिंह स्टेडियम में चल रहे छात्रों का सत्याग्रह धरना नौवां दिन रविवार को भी जारी रहा। धरना स्थल पर छात्र आंदोलन का समर्थन कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महातो ने अपनी मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा कर दी।

जीत के बाद बढ़ी राजनीतिक चर्चा 31 साल बाद भाजपा के गढ़ में पीके ने रच दिया इतिहास



बांकीपुर उपचुनाव में जन सुराज के प्रशांत किशोर ने शानदार जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया है। आपके दिए आंकड़ों के मुताबिक प्रशांत किशोर को कुल 64,117 वोट मिले, जबकि बीजेपी उम्मीदवार को 44,794 और आरजेडी की रेखा गुप्ता को 14263 वोट प्राप्त हुए। प्रशांत किशोर ने 193 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। बांकीपुर लंबे समय से भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। ऐसे में प्रशांत किशोर की जीत को जन सुराज के लिए बड़ी राजनीतिक उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है।

केस चलने तक बुलडोजर एक्शन नहीं होगा जौहर विवि के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण पर रोक बरकरार



जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण मामले में सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान मुरादाबाद कमिश्नर कोर्ट ने रोक को बरकरार रखा है। कोर्ट के इस फैसले से आजम खान समर्थकों को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने साफ कहा कि जब तक इस मामले का केस चल रहा ध्वस्तीकरण नहीं होगा। 30 अगस्त को कोर्ट जौहर यूनिवर्सिटी मामले की अगली सुनवाई करेगा। मामले के अनुसार, रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के क्षेत्रीय

अवर अभियंता ने 28 जून को वाद दर्ज कराते हुए मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के सचिव और जौहर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को नोटिस जारी किया था। इसके तहत आज जुलाई तक संबंधित 38 भवनों के स्वीकृत नक्शे आदि दाखिल करने का आदेश दिया गया था। विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत जवाब के बाद आरडीए ने 15 जुलाई को व्यक्तिगत सुनवाई का मौका दिया। विवि का पक्ष सुनने के बाद आरडीए के उपाध्यक्ष अजय कुमार द्विवेदी ने नक्शे स्वीकृत न होने के आधार पर अवैध भवनों को ध्वस्त करने का आदेश पारित कर दिया था। आरडीए उपाध्यक्ष के इस ध्वस्तीकरण आदेश को चुनौती देते हुए जौहर विवि प्रबंधन ने आरडीए अध्यक्ष/अपीलीय अधिकारी (मंडलायुक्त) के समक्ष अपील दाखिल की थी।



ममता का घोंसला एक स्त्री ही घर को घर बनाती है

कवर स्टोरी
स्नेहा सिंह

पक्षियों का घोंसला केवल सूखी टहनियों, तिनकों और पत्तों का ढेर भर नहीं होता, वह प्रेम, धैर्य, श्रम और सुरक्षा का ऐसा भाव होता है, जिसमें नया जीवन पलता-खिलता है। आश्चर्य की बात यह है, किसी पक्षी ने वास्तुकला की पढ़ाई नहीं की होती, किसी इंजीनियर से सलाह नहीं ली होती, फिर भी उसका घोंसला प्रकृति की सबसे सुंदर कृतियों में से एक होता है। यही बात स्त्री के बारे में भी कही जा सकती है। वह अपने परिवार के साथ ईंट, सीमेंट और लकड़ी से निर्मित घर में नहीं रहती, वह अपना घर रिशतों, संवेदनाओं, त्याग और विश्वास से बसाती है। घर की दीवारें तो कोई भी खड़ी कर सकता है, लेकिन उनमें अपनापन भरना केवल एक संवेदनशील स्त्री ही जानती है।

परिवार के सदस्यों का जीवन संवारीती है स्त्री: जब एक युवती विवाह के बाद नए घर में प्रवेश करती है, तो वह स्वयं के साथ संस्कार, नई उम्मीदें और प्रेम के भाव भी लेकर आती है। धीरे-धीरे वह हर कमरे में मात्र अपनी उपस्थिति भर ही नहीं देती, अपनी आत्मीयता भी बिखेरती है। घर की रसोई की महक, बच्चों की मुस्कान, बुजुर्गों की देखभाल और पति का आज सौरीके सिखाता है, लेकिन घर को जोड़ने की कला अभी भी मां, बहन, पत्नी और बेटा ही सिखाती है। घर की सजावट महंगे सजा या सामानों से नहीं, मधुर शब्दों और प्रेम-सम्मान से होती है। जब घर में संवाद समाप्त हो जाते हैं, तब सुंदर से सुंदर भवन सूना-खाली लगने लगता है। वहीं यदि परिवार के सदस्यों के बीच संवादों के माध्यम से प्रेम और भरोसा बना हुआ है तो साधारण घर भी स्वर्ग जैसा अनुभव देता है।



इंटीरियर रहता है, आधुनिक किचन होता है, महंगी सजावट के बीच कई बार रिशतों की सुकून-शांति भी रहती है? यह प्रश्न हर परिवार को स्वयं से पूछना चाहिए। इस बात को समझें कि एक छोटा-सा घोंसला इसलिए मोहक लगता है, क्योंकि वहां भय नहीं, भरोसा होता है। वहां दिखावा नहीं, अपनापन होता है। पक्षी अपने बच्चों के लिए जितनी मेहनत करते हैं, उसमें रंच मात्र भी स्वार्थ नहीं होता। स्त्रियां भी अपने परिवार के लिए दिनभर अनगिनत छोटे-छोटे काम करती हैं। कई बार उनके इन कामों को महत्व नहीं दिया जाता, कोई प्रशंसा नहीं मिलती, लेकिन इन्हीं अदृश्य प्रयासों से घर-परिवार में जीवन की ऊष्मा बनी रहती है। आज सोशल मीडिया, घर को सजाने के हजारों तरीके सिखाता है, लेकिन घर को जोड़ने की कला अभी भी मां, बहन, पत्नी और बेटा ही सिखाती है। घर की सजावट महंगे सजा या सामानों से नहीं, मधुर शब्दों और प्रेम-सम्मान से होती है। जब घर में संवाद समाप्त हो जाते हैं, तब सुंदर से सुंदर भवन सूना-खाली लगने लगता है। वहीं यदि परिवार के सदस्यों के बीच संवादों के माध्यम से प्रेम और भरोसा बना हुआ है तो साधारण घर भी स्वर्ग जैसा अनुभव देता है।

जरूरी है संबंधों का संरक्षण: कोई भी पक्षी अपने बच्चों को जीवन भर घोंसले में नहीं रखता। बच्चा जैसे ही उड़ना सीखता है, वह उसे स्वतंत्र आकाश में छोड़ देता है। घोंसला पक्षियों के लिए अपनी प्रतिष्ठा का प्रतीक नहीं बनता। मनुष्य इसके बिल्कुल विपरीत होता है। घर उसके लिए केवल रहने का स्थान नहीं, सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रदर्शन बन जाता है। आलीशान भवन और महंगी सजावट के बीच कई बार रिशतों की गर्माहट खो जाती है। स्त्रियों के सामने यह एक बड़ी चुनौती होती है। रिशतों को सहेजने में वे कोई कसर नहीं छोड़तीं, इस जतन में स्वयं को



ही भूल जाती हैं। उनके लिए घर की सजावट में रखी मूल्यवान चीजें कोई मायने नहीं रखतीं, घर में बसने वाले लोगों के रिशते मायने रखते हैं। बच्चों को समय देना, बुजुर्गों का सम्मान करना, परिवार में विश्वास, संवाद जीवित रखना, यही वह पूंजी है, जो पीढ़ियों तक साथ रहती है। बाकी सब कुछ समय के साथ बदल जाता है। स्त्री यदि चाहे तो वह घर को केवल

रहने की जगह नहीं, बल्कि संस्कारों की पाठशाला बना सकती है। उसकी मुस्कान, उसका धैर्य और उसका प्रेम-स्नेह आने वाली पीढ़ियों का चरित्र गढ़ता है।

हम बनाएं प्रेम का घोंसला: प्रकृति हमें हर दिन सिखाती है, जीवन की सबसे बड़ी शक्ति प्रेम है। एक नन्ही चिड़िया बिना किसी शिकायत के बार-बार तिनके लाती है, उन्हें जोड़ती है, आँधियों से लड़ती है। अंततः वह अपने बच्चों के लिए सुरक्षित बसेरा तैयार करती है। इसी तरह स्त्री भी अपने जीवन में अनेक भूमिकाएं निभाती है, वह प्रोफेशनल है, मां है, बेटा है, पत्नी है, बहू है और कई बार पूरे परिवार की भावनात्मक धुरी भी है। ऐसे समय

में उसे यह याद रखना चाहिए कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशीलता है। घर में बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं देनी चाहिए, संवेदनशील व्यवहार करना भी सिखाना चाहिए। पति को केवल साथ नहीं, एक अच्छी समझ भी चाहिए। बुजुर्गों को केवल समय पर दवा नहीं, अपनापन और सम्मान भी चाहिए। ये सब किसी महंगी

वस्तु से नहीं, आपकी ममता से ही मिलती है। आइए, हम अपने घरों को केवल सुंदर मकान बनाने की जगह, एक ऐसा घोंसला बनाएं, जहां सम्मान, विश्वास, संवाद और प्रेम-स्नेह हर दिन नए तिनके की तरह जुड़ते रहें, क्योंकि ईंटों से मकान बनते हैं, लेकिन प्रेम-स्नेह और ममता से घर बसते हैं, परिवार में खुशहाली छाती है।

एक-दूसरे के प्रति कृतज्ञता दांपत्य जीवन को बनाए मधुर

आज अधिकांश परिवारों में पति-पत्नी दोनों ही वर्किंग होते हैं। पत्नी को दोहरी जिम्मेदारी निभानी होती है। ऐसे में पत्नी के प्रति पति के कृतज्ञता के भाव जादुई असर करते हैं। कई स्तरों पर पति के प्रति पत्नी के भी कृतज्ञता के भाव बहुत जरूरी होते हैं। एक-दूसरे के प्रति कृतज्ञता दांपत्य जीवन को मधुर बनाती है।

नैरीड लाइफ
वीरेंद्र बहादुर सिंह

आज की महिलाएं सिर्फ अपना करियर ही नहीं बना रही हैं, परिवार की जिम्मेदारियां भी निभा रही हैं। ऐसे में मधुर दांपत्य जीवन और परिवार की खुशहाली के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इसमें सबसे जरूरी है कृतज्ञता का भाव। हमें इस बात को समझना चाहिए कि पति-पत्नी का रिश्ता केवल अधिकारों का नहीं, अपनत्व का रिश्ता है। जब दोनों यह सोचने लगते हैं 'मैं अपना काम कर रही हूँ, वह अपना काम कर रहा है', इसमें कृतज्ञता या आभार जताने की क्या जरूरत? इस तरह की सोच रिशतों में गर्माहट कम करती है। प्रेम के पौधे को जिम्मेदारियों के साथ-साथ सम्मान और आभार के जल से सिंचित करना जरूरी है।

दिलाएं अहमियत का एहसास: कृतज्ञता के भाव के साथ-साथ पति को पत्नी की अहमियत को समझना चाहिए। अधिकांश महिलाएं घर और दफ्तर के बीच संतुलन बनाते-बनाते थक जाती हैं। दूसरी ओर पुरुष भी काम के बढ़ते दबाव और जिम्मेदारियों से जूझते हैं। ऐसे में यदि दोनों केवल एक-दूसरे की कमियां देखने लगेंगे तो रिशते बोझ बन जाएंगे। अगर दिन में एक बार भी दिल से यह कह दिया जाए, 'तुम्हारी वजह से मेरा जीवन आसान है' तो यह छोटा-सा वाक्य रिशते में नई रंगत भर देगा।

प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं पति-पत्नी: पति-पत्नी आपसी प्रतिद्वंद्वी नहीं, जीवनयात्रा के सहयात्री हैं। अगर दोनों हर काम का हिसाब रखेंगे कि किसने, कितना काम किया तो रिश्ता प्रेम से अधिक एक अनुबंध जैसा लगने लगेगा। प्रेम का सौंदर्य इसी में है कि कभी एक अधिक देता है, कभी दूसरा। दोनों के मन में शिकायत नहीं, अपनापन और कृतज्ञता के भाव होने चाहिए। छोटी-छोटी बातों में छिपा है बड़ा प्रेम: मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं, कृतज्ञता व्यक्त करने वाले दंपती अधिक खुश रहते हैं, भावनात्मक रूप से



एक-दूसरे से ज्यादा जुड़े होते हैं। जीवनसाथी की छोटी-छोटी बातों की सराहना करने से शिकायतें कम होती हैं और आत्मीयता बढ़ती है। सोचिए, यदि पति बिना कहे शाम की चाय बना दे या पत्नी उसकी थकान देखकर चुपचाप उसके पास बैठकर प्रेम से सिर में हाथ फेर दे तो यह कोई बड़ा त्याग नहीं है। यदि इन छोटे-छोटे प्रयासों के लिए एक प्यारी सी मुस्कान और एक 'थैंक यू' मिल जाए, तो ऐसे पति रिशते को



गहरा बना देते हैं। सुखी वैवाहिक जीवन का रहस्य बड़े उपहारों या किसी बड़े टूरिस्ट प्लेस पर घुमाने से नहीं, रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में छिपा होता है। एक प्याला चाय, थकान में एक स्नेह भरा स्पर्श, एक मुस्कान और दिल से निकला 'थैंक यू', ये बातें दांपत्य जीवन को हर दिन खूबसूरत बना देती हैं। रिशतों में प्रेम किसी चमत्कार से नहीं बढ़ता। यह बढ़ता है सम्मान, देखभाल, विनम्रता और सच्चा अहसास से कि हमारे जीवन में सामने वाले का होना किसी सौभाग्य से कम नहीं है। यदि हम हर दिन निश्चल भाव अपनी कृतज्ञता के भाव प्रकट करते रहें तो इसके जादू का असर बहुत प्रभावशाली होगा, दांपत्य रिशतों में प्रेम की सुगंध हमेशा बनी रहेगी।

ट्रैवल टिप्स
ललिता गोयल

जीवन के सबसे सुखद अनुभवों में से एक होती है-यात्रा। जब यात्रा घर के बुजुर्गों के साथ हो तो यह एक अलग तरह का अनुभव देती है। बुजुर्गों के साथ यात्रा को आरामदायक और यादगार बनाने के लिए सही प्लानिंग की जरूरत होती है। क्योंकि बुजुर्गों के साथ यात्रा करने के दौरान यही डर रहता है कि कहीं वे बीमार न पड़ जाएं या उन्हें खाने-पीने को लेकर दिक्कत ना हो? इस तरह की और भी कई चिंताएं मन में होती हैं। आइए, जानते हैं कि बुजुर्गों के साथ यात्रा करते समय किन खास बातों का ध्यान रखा जाए, जिससे उनकी यात्रा यादगार, आरामदायक बने।

सही पर्यटन स्थल चुनें: बुजुर्गों के साथ यात्रा करते समय, पर्यटन स्थल का चुनाव सावधानी से करें। उनकी विशेष पसंद पूछें, लेकिन सुनिश्चित करें कि वह स्थान उनके लिए उपयुक्त है या नहीं। देखें कि क्या उस पर्यटन स्थल तक आसानी से पहुंचा जा सकता है? टिकट कंफर्म होने पर ही करें यात्रा: बुजुर्गों के साथ यात्रा का प्रोग्राम बनाते समय ध्यान रखें कि टिकट कंफर्म है या नहीं? टिकट कंफर्म होने के बाद ही यात्रा करें। इससे सफर सुकून भरा और रिलेक्सिंग होगा। आरामदायक स्थान दें: ट्रैवलिंग के दौरान बुजुर्गों को आरामदायक स्थान दें, फिर चाहे ट्रैवलिंग गाड़ी से हो, फ्लाइट या ट्रेन से हो। होटल बुक

बुजुर्गों के साथ की गई यात्रा परिवार के साथ बिताने अनमोल पलों का अवसर होती है। लेकिन बुजुर्गों के साथ यात्रा प्लान करते समय आपको कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना होगा, ताकि वे आराम के साथ यात्रा करें और इसका पूरा आनंद उठाएं।

बुजुर्गों के साथ जब जाएं यात्रा पर रखें इन बातों का खास ध्यान



करते समय ग्राउंड फ्लोर, लिफ्ट और सुविधाजनक बाथरूम वाली सुविधाओं को प्राथमिकता दें। बस, ट्रेन या हवाई जहाज में लंबे समय तक बैठे रहने से उन्हें असुविधा हो सकती है, इसलिए पहले से ही अतिरिक्त लेगरूम वाली सीट चुनें। एक ही दिन कई जगहों न घूमें: यात्रा के दौरान एक दिन में बहुत सारी जगह देखने का प्लान न बनाएं। बीच-बीच में ब्रेक लें। बुजुर्गों को रैस्ट करने का पूरा समय दें ताकि उन्हें थकान न हो। खाने का सामान साथ में जरूर रखें: बुजुर्गों के साथ ट्रैवलिंग के दौरान ड्राई फ्रूट्स या घर के बने कुछ स्नेक्स भी साथ में रखकर ले जाएं, जिससे यात्रा के दौरान बीच-बीच में भूख लगने पर वे खा सकें। सफर के दौरान शरीर में पानी की कमी न होने दें और उन्हें समय-समय पर पानी या जूस देती रहें। सामान कम करी करें: बुजुर्गों के साथ यात्रा करते समय बहुत सारी चीजें ले जाने से बचें। इससे सामान चीजें ले जाने से बचें। इसलिए यात्रा में वही सामान पैक करें, जिसकी वास्तव में आवश्यकता हो। ऐसा करने से यात्रा के दौरान आप बुजुर्गों का सही से ध्यान रख पाएंगी। सही कपड़े और फुटवियर चुनें: यात्रा में जाने से पहले बुजुर्गों के लिए उपयुक्त कपड़े और जूते पैक करना न भूलें। गर्म मौसम के लिए, ढीले और आरामदायक कपड़े पर्याप्त मात्रा में ले जाएं। ठंडे मौसम के लिए, स्वेटर, मोजे, जूते, टोपी और जैकेट पैक करें।



फर्स्ट एड बॉक्स जरूर रखें बुजुर्गों को यात्रा पर ले जाने से पहले बहुत जरूरी है कि उनका पूरा मेडिकल चेकअप करा लें। उनका बीपी, शुगर आदि नॉर्मल होने पर ही उन्हें अपने साथ यात्रा के लिए ले जाएं अन्यथा वे रास्ते भर परेशान होंगे और आपको भी चिंता होगी। अपने साथ फर्स्ट एड बॉक्स जरूर रखें, क्योंकि यात्रा के दौरान कब कौन-सी दवा की जरूरत पड़ जाए कदा नहीं जान सकता। फर्स्ट एड बॉक्स में बुजुर्गों की दवाइयों को एकजगह व्यवस्थित ढंग से रखें। साथ में ओआरएस, इलेक्ट्रॉल आदि के पाउचर भी रख लें।

मेकअप
नैसी गुप्ता

बारिश के मौसम में परफेक्ट और लॉन्ग लास्टिंग मेकअप करना ईजी नहीं होता है। उमस, नमी और बार-बार होने वाली बारिश के कारण मेकअप जल्दी मेल्ट, फैलने या फीका पड़ने लगता है। कई बार घर से निकलते समय किया गया खूबसूरत मेकअप कुछ ही घंटों में खराब नजर आने लगता है। ऐसे में जरूरी है कि इस सीजन में मेकअप के कुछ ही ट्रेंड्स अपनाए जाएं, ताकि मेकअप लंबे समय तक टिका रहे और चेहरा फ्रेश दिखाई दे। स्किन करें तैयार: लंबे समय तक टिकने वाले मेकअप की शुरुआत अच्छी स्किन प्रिपरेशन से होती है। सबसे पहले चेहरे को माइल्ड फेसवॉश से साफ करें। इसके बाद हल्का मॉयश्चराइजर लगाएं ताकि स्किन

डाइट सजेसन
रेखा देशराज

बारिश के इस मौसम में वातावरण में नमी काफी ज्यादा बढ़ जाती है। इससे बैक्टीरिया, वायरस और फंगस तेजी से पनपते हैं। नतीजतन चुर्चुरे, जुकाम, वायरल बुखार, पेट के संक्रमण, फूड प्वाइजनिंग और पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। इसलिए भोजन में विटामिन-सी, एंटी-ऑक्सीडेंट और प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें। इसलिए अपनी मानसून डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां, शिमला मिर्च और टमाटर को विशेष रूप से शामिल रखें। अमरूद, नींबू, संतरा और आंवला भी इन दिनों खाएं ताकि शरीर को भरपूर विटामिन-सी मिल सके। राजमा, चना, मूंग दाल जरूर खाएं और पनीर को प्रोटीन के लिए प्राथमिकता दें। इस मौसम में प्रोटीन युक्त डाइट महिलाओं के ऊतकों की मरम्मत अच्छी तरह से करती है, जिससे वे स्वस्थ रहती हैं और

मानसून में भी आपका मेकअप रहेगा मेंटेन



हाइड्रेटेड रहे। बहुत ज्यादा ऑयली या हेवी क्रोम लगाने से बचें क्योंकि इससे मेकअप जल्दी खराब हो सकता है। हेवी नहीं लाइट फाउंडेशन: बारिश के मौसम में मोटी फाउंडेशन लेयर लगाने से मेकअप के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए फुल कवरेज फाउंडेशन की जगह बीबी क्रोम, सीसी क्रोम या टिंटेड मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करें। इससे चेहरा नेचुरल, फ्रेश दिखता है। अप्लॉय करें प्राइमर: इस सीजन में मेकअप करते समय प्राइमर बेहद जरूरी माना जाता है। यह स्किन और मेकअप के बीच एक स्मूद

लेयर बनाता है, जिससे मेकअप ज्यादा देर तक टिकता है। खासकर ऑयली स्किन वालों के लिए मैटिफाइंग प्राइमर अच्छा विकल्प हो सकता है। यह एक्सट्रा ऑयल को नियंत्रित करने में मदद करता है। वॉटरप्रूफ प्रोडक्ट्स का करें यूज: मानसून में काजल, मस्कारा और आईलाइनर के फैलने की समस्या आम होती है। इससे बचने के लिए वॉटरप्रूफ और स्मज-प्रूफ प्रोडक्ट्स चुनें। ये पसीने और नमी के बावजूद आंखों के मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद करते हैं।

बारिश के मौसम में अनेक संक्रामक बीमारियों का रиск बढ़ जाता है। इनसे बचने के लिए आपकी इम्यूनिटी स्ट्रॉन्ग होनी चाहिए। इसके लिए कैसा हो आपका डाइट प्लान, जानिए।

इस मौसम में ऐसी हो आपकी हेल्दी डाइट

प्रोटीन-विटामिन सी रिक डाइट: इन दिनों शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना सबसे जरूरी होता है। इसलिए भोजन में विटामिन-सी, एंटी-ऑक्सीडेंट और प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें। इसलिए अपनी मानसून डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां, शिमला मिर्च और टमाटर को विशेष रूप से शामिल रखें। अमरूद, नींबू, संतरा और आंवला भी इन दिनों खाएं ताकि शरीर को भरपूर विटामिन-सी मिल सके। राजमा, चना, मूंग दाल जरूर खाएं और पनीर को प्रोटीन के लिए प्राथमिकता दें। इस मौसम में प्रोटीन युक्त डाइट महिलाओं के ऊतकों की मरम्मत अच्छी तरह से करती है, जिससे वे स्वस्थ रहती हैं और



उनकी सुंदरता भी निखरती है। पाचन का रखें ध्यान: बारिश के मौसम में अकसर पेट खराब हो जाता है। इसलिए दूसरे मौसमों से ज्यादा इस मौसम में जरूरी होता है कि आप अपने पाचन का ध्यान रखें। इसके लिए हल्का, संतुलित और सुपाच्य भोजन ही करें। दही, इस मौसम में देर से और मुश्किल से पचता है। इसलिए दही तभी लें, जब आप दही आसानी से पचा लेती हों। अगर छाछ लें

इन बातों का रखें ध्यान

- हमेशा ताजा और गर्म भोजन करें।
- मौसमी फल और हरी सब्जियां अच्छी तरह धोकर जरूर खाएं।
- खुले में बिकने वाले कटे हुए फल, सलाद या स्ट्रीट फूड भूलकर भी न खाएं।
- इस मौसम में अपने भोजन में दालें,

- अंकुरित अनाज और प्रोटीन की अच्छी मात्रा शामिल करें।
- बासी भोजन खाने से बचें।
- प्रतिदिन पर्याप्त पानी पिएं। नींबू पानी, छाछ या नारियल पानी को भी अपनी डाइट में शामिल करें।



राज्यपाल नशा-मुक्त भारत अभियान शुभारंभ के कार्यक्रम में हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान शुभारंभ के वचुअल कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने रविवार को भोपाल में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारीज सुख शांति भवन रिट्रीट सेंटर में किया गया था। कार्यक्रम ब्रह्माकुमारी दीदी प्रकाशमणि की 19 वीं पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के तहत ब्रह्माकुमारी राजयोग भवन भोपाल की ओर से किया गया था।

स्थानीय कार्यक्रम में राज्यपाल पटेल ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए हर व्यक्ति, परिवार, समुदाय और वर्ग का सहयोग अपेक्षित है। हर व्यक्ति नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा को 365 दिन याद रखें। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ व्यक्ति यदि एक परिवार को नशा मुक्त करेंगे तो देश की 50 करोड़ आबादी नशा मुक्त हो जाएगी। देश में बड़ा बदलाव आ

अभियान स्वस्थ, संस्कारवान एवं विकसित भारत निर्माण का जन आंदोलन



नशामुक्त कार्यक्रम में वचुअल जुड़े राज्यपाल।

जाएगा। उन्होंने कहा कि नशा-मुक्त, स्वस्थ, संस्कारवान एवं विकसित भारत के निर्माण के ऐतिहासिक जन आंदोलन का शुभारंभ देश के लिए अत्यंत प्रेरणादायी और महत्वपूर्ण अवसर है। इस प्रसंग में बच्चों का बचपन नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखना तथा प्रत्येक परिवार को अपने घर को नशा-मुक्त बनाने के लिए प्रेरित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल-बैरसिया मार्ग को फोरलेन बनाने की घोषणा की सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण शिक्षा ही नहीं भविष्य के नए युग की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बैरसिया में सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण केवल नए विद्यालय भवन का शुभारंभ नहीं, बल्कि क्षेत्र में शिक्षा के नए युग और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत है। यह विद्यालय विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेगा और उन्हें ज्ञान, संस्कार, आत्मविश्वास और कौशल से संपन्न बनाकर जीवन में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को बैरसिया में सांदीपनि विद्यालय के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यालय परिसर का अवलोकन किया और विद्यार्थियों को नवीन सर्वसुविधायुक्त विद्यालय की शुभकामनाएं दीं। करीब 35 एकड़ क्षेत्र में निर्मित शासकीय सांदीपनि ठाकुर लाल सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की लागत 50 करोड़ 74 लाख है। मुख्यमंत्री ने विद्यालय परिसर में पौध-रोपण भी किया।

►► ज्ञान, संस्कार और कौशल से आत्मनिर्भर बनेंगी प्रदेश की नई पीढ़ी, वर्ष 2047 के विकसित भारत का नेतृत्व करेंगे आज के विद्यार्थी

►► जीवन में छात्रों को आगे बढ़ने का मौका प्रदान करेगा

►► स्कूल परिसर में मुख्यमंत्री ने पौधरोपण भी किया



सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण करते सीएम।

►► बच्चों के चरित्र निर्माण, अनुशासन, संस्कार और जीवन-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता-पिता बच्चों को जीवन देते हैं, लेकिन विद्यालय और गुरु उनके व्यक्तित्व को सही आकार देकर जीवन को सार्थक बनाते हैं। जिस प्रकार पारस के स्पर्श से लोहा सोना बन जाता है, उसी प्रकार अच्छे विद्यालय और योग्य शिक्षक विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारकर उन्हें समाज और राष्ट्र की अमूल्य संपदा बनाते हैं। विद्यालय केवल पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों के चरित्र निर्माण, अनुशासन, संस्कार और जीवन-दृष्टि के विकास का प्रमुख केंद्र होते हैं।

नशा सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के क्षरण का प्रमुख कारण: अवधेश प्रताप

मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि नशा सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के क्षरण का प्रमुख कारण है। उन्होंने परिवार, समाज और सांस्कृतिक जीवन-मूल्यों के संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए अध्यात्म से जोड़कर उनकी आंतरिक प्रेरणा को सशक्त बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज का सतत संवाद ही युवाओं को नशे जैसी बुराई से बचा सकता है। बीके रेखा दीदी ने कहा कि नशा व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से क्षति पहुंचाता है।

समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय

सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी पर नशे के दुष्प्रभाव तेजी से बढ़ रहे हैं, जो समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी प्रभावित करता है। इसलिए नशा-मुक्त भारत का संकल्प जन-आंदोलन का रूप लेना चाहिए। उन्होंने कहा

कि इस दिशा में शासन-प्रशासन के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। युवाओं को नशे के मायाजाल से बचाने के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान, गायत्री परिवार तथा अन्य सामाजिक संगठन निरंतर जागरूकता अभियान चला रहे हैं। उन्होंने पुलिस विभाग की ओर से संचालित नशा-निवारण अभियान की भी सराहना की।

सीएम सैनी ने विकास योजनाओं में पर्यावरण और बुनियादी सुविधाओं पर दिया जोर विजन-2047 के अनुरूप तैयार हों हरियाणा के डेवलपमेंट प्लान



चंडीगढ़। प्रदेश में शहरी क्षेत्रों के प्रस्तावित ड्राफ्ट डेवलपमेंट प्लान के संबंध में चंडीगढ़ में आयोजित एसएलसी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि ब्यूरो ►► चंडीगढ़

हरियाणा में भूमि उपयोग, शहरी विकास और भवन निर्माण को व्यवस्थित करने के लिए सोमवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हरियाणा सिविल सचिवालय में स्टेट लेवल कमेटी (एसएलसी) की बैठक हुई। बैठक में नारायणगढ़-2031 तथा कुरुक्षेत्र, नारनौल और पानीपत-2041 के ड्राफ्ट डेवलपमेंट प्लान अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किए गए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास योजनाएं विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप तैयार की जाएं। उन्होंने कहा कि भविष्य की जनसंख्या, आधुनिक शहरी जरूरतों, पर्यावरण संरक्षण, बेहतर परिवहन व्यवस्था और टिकाऊ विकास को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को अंतिम रूप दिया जाए। साथ ही सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, बिजलीघर, एंटरटेनमेंट जोन और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए पर्याप्त भूमि आरक्षित करने के निर्देश दिए।

►► कुरुक्षेत्र-2041 योजना पर चर्चा के दौरान ज्योतिषर क्षेत्र के संरक्षण, सरस्वती नदी के अनुरूप विकास, हरित क्षेत्रों के विस्तार और बाढ़ सुरक्षा उपायों पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने आइकोनिक डेस्टिनेशन योजना के तहत प्रस्तावित 250 एकड़ क्षेत्र के लिए पर्याप्त भूमि सुरक्षित रखने और सरस्वती नदी के कैचमेंट क्षेत्र में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान की योजना बनाने के निर्देश दिए।

►► नारायणगढ़: सेक्टर विकसित किए जाएंगे नारायणगढ़-2031 योजना में अनुमानित 95 हजार आबादी को ध्यान में रखते हुए छह नए आवासीय सेक्टर विकसित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक और आवासीय क्षेत्रों के बीच पर्याप्त दूरी रखने के निर्देश दिए, ताकि असुविधा न हो।

नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति: राज्यमंत्री गौर

भोपाल। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा है कि नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे प्रबल शक्ति हैं। भारत की वास्तविक सामर्थ्य उसकी युवा जनशक्ति में निहित है, और यदि यह शक्ति नशा रूपी दलदल में उलझती है, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव केवल एक व्यक्ति या परिवार तक सीमित न रहकर संपूर्ण राष्ट्र की प्रगति को

अवरुद्ध करता है। कृष्णा गौर रविवार को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में आयोजित नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान के कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रीय संकल्प और जनभागीदारी के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के 10 हजार से अधिक स्थानों से जुड़े लाखों युवाओं के साथ ऑनलाइन संवाद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में युवा पीढ़ी की केंद्रीय भूमिका, उनकी ऊर्जा और नवाचार क्षमता को रेखांकित करते हुए एक सशक्त भारत का मार्ग प्रशस्त किया।

बाबा भोरमदेव मंदिर के लिए निकली करीब 18 किमी लंबी पदयात्रा पंचमुखी बूढ़ा महादेव से हुई आरंभ

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से पूजन कर दिखाई हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ►► कवर्धा

सावन मास के पहले सोमवार को कवर्धा में शिवभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व वाले बाबा भोरमदेव मंदिर के लिए निकली 18 किलोमीटर लंबी भोरमदेव पदयात्रा का शुभारंभ सोमवार सुबह पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर से हुआ। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का विधिवत पूजन-अभिषेक कर पदयात्रा को हरी झंडी दिखाई और स्वयं भी हजारों



श्रद्धालुओं के साथ पदयात्रा में शामिल हुए।

सुबह से ही बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर शिवभक्तों से खचाखच भरा रहा। श्रद्धालुओं के हाथों में भगवा ध्वज, कंधों पर कांवड़ और मुख से गुंजते 'हर-हर महादेव', 'बोल बम' और 'जय भोलेनाथ' के जयघोष से

पूरा वातावरण शिवमय हो गया। जिले के साथ-साथ प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे हजारों श्रद्धालु बाबा भोरमदेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए उसाहपूर्वक पदयात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और निरोज-जीवन की कामना करते हुए कहा कि श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि भोरमदेव पदयात्रा अब प्रदेश की आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक बन चुकी है।

पुष्पवर्षा कर पदयात्रियों का कदम-कदम पर स्वागत

मार्ग पर ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर पदयात्रियों का स्वागत किया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिला प्रशासन के साथ विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं स्वयंसेवी संगठनों ने पूरे मार्ग में चाय, नाश्ता और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की। कई स्थानों पर सेवा शिविर भी लगाए गए, जहां पदयात्रियों को विश्राम की सुविधा उपलब्ध कराई गई। श्रावण के पहले सोमवार को निकली यह भव्य पदयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि जनआस्था, लोक संस्कृति और सामाजिक सहभागिता का भी प्रतीक बन गई।

मरने वालों में एक दिव्यांग भी शामिल, सभी का कराया पीएम

हरिभूमि न्यूज ►► धमतरी

जिले में आज रविवार काल बनकर आया, जहां चार अलग-अलग घटनाओं में एक कोटवार, एक दिव्यांग समेत चार लोगों की मौत हो गई। चारों शवों का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया। एक ही दिन में चार लोगों की मौत से जिले में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, पहला मामला अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम परेवाडीह का है, जहां घर में सोए दिव्यांग विक्रम कुमार साहू को जहरीले करैत सांप ने डस लिया। परिजनों ने उसे उपचार के लिए



जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, दूसरी घटना भखारा थाना क्षेत्र के भेंडरा गांव की है, जहां टुकेश विश्वकर्मा रात में अपने घर में सोया हुआ था। रविवार सुबह वह बिस्तर पर अचेत अवस्था में मिला। परिजन उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

आरोपियों ने चाकू से किए ताबड़तोड़ वार, युवक की मौके पर मौत, मोबाइल नकदी लेकर फरार हुए सभी आरोपी

लूट का विरोध करने पर चाकू मारकर उप सरपंच की हत्या का सनसनीखेज मामला

हरिभूमि न्यूज ►► दुर्ग

जिले के जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र में लूट का विरोध करने पर चाकू मारकर उपसरपंच की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। रविवार देर रात मृतक उपसरपंच अपने साथियों के साथ एक निजी अस्पताल गए हुए थे। वहां से लौटने के दौरान करहीडीह चौक के पास अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोककर लूट की कोशिश की।

विरोध करने पर ग्राम तुमाकला के उपसरपंच प्रकाश सिंह कश्यप पर आरोपियों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी उनका मोबाइल फोन और 4 हजार रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने हत्या और लूट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।



एक बाइक पर सवार चार लोगों ने शेका रास्ता

घटना जेवरा सिरसा थाना क्षेत्र के करहीडीह से चिखली चौक के बीच की है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम तुमाकला के उपसरपंच प्रकाश सिंह कश्यप रविवार रात मिलाई से अपने गांव लौट रहे थे। उनके साथ एक अन्य व्यक्ति भी मौजूद था। इसी दौरान एक बाइक पर सवार चार बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी लूट की नीयत

से आए थे। उन्होंने प्रकाश सिंह कश्यप से मोबाइल फोन और नकदी छीनने की कोशिश की। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने अपने पास रखे चाकू से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में उपसरपंच की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के दौरान उनके साथ मौजूद व्यक्ति किसी तरह वहां से भाग निकला और पुलिस को

पुलिस कर रही आरोपियों की तलाश

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके बाद आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की गई। मृतक प्रकाश सिंह कश्यप धम्मा ब्लॉक के ग्राम तुमाकला के उपसरपंच थे। उनकी पत्नी देवती बाई कश्यप वर्तमान में इसी गांव की सरपंच हैं। घटना के बाद पूरे गांव में शेक का माहौल है।

पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में लूट के दौरान हत्या की बात सामने आई है। पुलिस आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। पुलिस की अलग-अलग टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।

दो नाबालिगों ने पहले लिफ्ट मांगी, फिर बुजुर्ग को उतार दिया मौत के घाट

जांजगीर-चांपा। जिले की चांपा रोड पर रविवार रात करीब 10:24 बजे लिफ्ट मांगकर लूट की नीयत से दो नाबालिगों ने 52 वर्षीय व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी। सिटी कोतवाली पुलिस ने दोनों नाबालिगों को हिरासत में ले लिया है। मृतक की पहचान राधेश्याम सूर्यवंशी के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार, राधेश्याम सूर्यवंशी खोखरा गांव के निवासी थे और कुलीपोटा स्थित एक कबाड़ी की दुकान में चौकीदार के रूप में कार्यरत थे। रविवार रात करीब 9:30 बजे वह मोटरसाइकिल से ड्यूटी पर जा रहे थे। इसी दौरान कचहरी चौक के पास दो नाबालिगों ने आगे जाने के लिए उनसे लिफ्ट मांगी। जब वे मेगा मोर्ट के पास पहुंचे तो बाइक पर पिछे बैठे दोनों नाबालिगों ने उनसे पैसों की मांग की। आरोप है कि इसी दौरान चलती बाइक पर ही चाकूनुमा हथियार से उन पर हमला कर दिया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 नीएनएसएस देखिए

मेरे सम्मक्ष परिवार दिया गया है कि अभियुक्त आशीष पुत्र: मदन सिंह पता: रवि का मकान, गाँव ताजपुर, अलीपुर, दिल्ली ने case FIR No. 41/2020 U/s 33(1)A Delhi Excise Act, थाना: अलीपुर, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त आशीष मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त आशीष फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case FIR No. 41/2020 U/s 33(1)A Delhi Excise Act, थाना: अलीपुर, दिल्ली के उक्त अभियुक्त आशीष से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवार/मुकदमा का उत्तर देने के लिए दिनांक 03.09.2026 को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार सुश्री पिंका राजपूत मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी उत्तर, कोर्ट नं. 115 रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/10737/ON/2026 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे सम्मक्ष परिवार दिया गया है कि अभियुक्त संजय कुमार, पुत्र: वेद राम, पता: म.नं. डी-303, फेज-IV, गली नं. 10, बांध रोड, अयानगर, दिल्ली ने CC NI Act 1) 3852/2022, 2) 3854/2022, U/s 138/142 NI Act, पुलिस थाना संगम विहार, नई दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त संजय कुमार मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त संजय कुमार फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि CC NI Act 1) 3852/2022, 2) 3854/2022, U/s 138/142 NI Act, पुलिस थाना संगम विहार, नई दिल्ली के अभियुक्त संजय कुमार से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक 07.09.2026 को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार सुश्री पूजा कुमारी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (एनआई एक्ट)-10 कमरा नं. 25, साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/10598/SD/2026

चिंतन

उपचुनाव में हार भाजपा के लिए आत्ममंथन का समय

उपचुनाव के नतीजे भले ही तीन विधानसभा सीटों तक सीमित हों, लेकिन इनके राजनीतिक संकेत इससे कहीं बड़े हैं। बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन सीटों में से भाजपा को दो पर हार का सामना करना पड़ा है। गुजरात के मंजलपुर में पार्टी की जीत जरूर राहत देने वाली है, लेकिन बिहार की बांकीपुर और मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर मिली हार पर भाजपा को आत्ममंथन की जरूरत है। बिहार की बांकीपुर सीट भाजपा के लिए लंबे समय से मजबूत गढ़ रही है। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन यहां से लगातार पांच बार विधायक रहे। उनके राज्यसभा जाने के बाद हुए उपचुनाव में पार्टी को पूरी उम्मीद थी कि उसका यह किला सुस्थित रहेगा। खुद नवीन का यह कहना कि बांकीपुर से किसी को भी खड़ा कर दिया जाए, जीत तय है, पार्टी के आत्मविश्वास को दिखाता था, लेकिन जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने इस किले में संध लगा दी। इससे भी बड़ी बात यह है कि राष्ट्रीय जनता दल की उम्मीदवार रेखा गुप्ता तीसरे स्थान पर रहीं। यानी मुकाबले ने परंपरागत भाजपा बनाम आरजेडी समीकरण से बाहर निकलकर एक नया राजनीतिक संदेश दिया है। सवाल केवल बांकीपुर हारने का नहीं है। सवाल यह है कि क्या भाजपा अपने पुराने संगठनात्मक प्रभाव और पारंपरिक वोट बैंक के भरोसे जरूरत से ज्यादा आश्चस्त हो गई थी? बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार लंबे समय तक प्रशासनिक अनुभव और राज्य के बारीक समीकरणों को सांभने वाले नेता रहे हैं। अब सत्ता के समीकरण बदलने के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सामने अपनी राजनीतिक पकड़ और प्रशासनिक स्वीकार्यता साबित करने की चुनौती है। बांकीपुर का परिणाम इस चुनौती की ओर संकेत करता है। वहीं, मध्य प्रदेश की दतिया सीट का परिणाम तो भाजपा के लिए और भी असहज करने वाला है। पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा इस सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी में थे और टिकट के दावेदार भी थे। इसके बावजूद पार्टी ने उन्हें मैदान में नहीं उतारा और आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया। नतीजा यह रहा कि कांग्रेस ने सीट जीत ली। यहां एक और सवाल मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व से जुड़ा है। शिवराज सिंह चौहान के लंबे कार्यकाल में भाजपा ने जिस तरह संगठन, सरकार और जनता के बीच संवाद का तंत्र विकसित किया था, उसे बनाए रखना अब मोहन यादव सरकार की बड़ी चुनौती है। नेतृत्व बदलने के बाद जनता का मूड और संगठन की जमीन समझना आसान नहीं होता। उपचुनाव अक्सर इसी परीक्षा का पहला परिणाम देते हैं। इन नतीजों के बीच जेन जी आंदोलन के संभावित प्रभाव को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नई पीढ़ी के मतदाताओं के मुद्दे, बेरोजगारी, अवसर, शासन और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे सवाल अब चुनावी विषयों को तेजी से प्रभावित कर रहे हैं। भाजपा को यह समझना होगा कि युवा मतदाता केवल पुराने राजनीतिक समीकरणों के आधार पर वोट नहीं करता। चुनाव में संगठन जितना महत्वपूर्ण है, सही उम्मीदवार उताना ही निर्णायक होता है। दतिया में टिकट चयन पर उठे सवाल भाजपा को यह सोचाने पर मजबूर करेंगे कि जमीनी कि जमीनी आंदोलन और संगठन की रणंद के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। उपचुनाव सत्ता बदलने का जनादेश नहीं होते, लेकिन वे जनता के बदलते मिजाज की घंटी जरूर बजाते हैं। भाजपा के लिए संदेश साफ है गढ़ हमेशा के लिए गढ़ नहीं रहते, संगठन हमेशा चुनाव नहीं जिततात और पुराना समीकरण हमेशा काम नहीं करता।

आर्थिकी ऋषभ मिश्रा

भविष्य की मुद्रा व्यवस्था और भारत का पॉलीमर प्रयोग

भारत की अर्थव्यवस्था आज एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां एक ओर डिजिटल भुगतान क्रांति अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर नकदी का महत्व भी कम नहीं हुआ है। युनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने भुगतान प्रणाली को सरल, त्वरित और सर्वसुलभ बनाया है, लेकिन इसके बावजूद देश में नकदी की मांग लगातार बढ़ रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2026 तक प्रचलन में मुद्रा का मूल्य लगभग 41.23 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 12 प्रतिशत अधिक है। मुद्रा-से-जोड़ीपी अनुपात भी बढ़कर 12.1 प्रतिशत हो गया है। यह तथ्य स्पष्ट संकेत देता है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार के बावजूद नकदी भारतीय आर्थिक व्यवस्था की एक मजबूत आवश्यकता बनी हुई है। ऐसे समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पॉलीमर अथवा प्लास्टिक नोटों को अपनाने की दिशा में बढ़ाया गया कदम अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) ने ओपेंसिफाइड पॉलीमर सबस्ट्रेट शीटों की आपूर्ति के लिए वैश्विक निविदाएं आमंत्रित की हैं। यह केवल एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि भारतीय मुद्रा व्यवस्था में संभावित ऐतिहासिक परिवर्तन का संकेत है। यदि यह योजना सफल होती है तो आने वाले वर्षों में भारतीय मुद्रा की संरचना, सुरक्षा और टिकाऊपन में व्यापक बदलाव देखने को मिल सकता है। वस्तुतः भारत में नकदी का उपयोग केवल भुगतान का माध्यम नहीं है, बल्कि आर्थिक विश्वास और सामाजिक व्यवहार का हिस्सा भी है। ग्रामीण क्षेत्रों, छोटे व्यापारियों, कृषि क्षेत्र तथा असंगठित अर्थव्यवस्था में आज भी नकदी प्रमुख भूमिका निभाती है। देश की विशाल आबादी का एक बड़ा वर्ग अभी भी नकद लेन-देन की अधिक सहज और विश्वसनीय मानता है। नकदी की बढ़ती मांग के साथ नोटों की छपाई और रख-रखाव पर होने वाला व्यय भी लगातार बढ़ता रहा है। हर वर्ष बड़ी संख्या में नोट फटने, गंदे होने, नमी से खराब होने तथा अत्यधिक उपयोग के कारण अनुपयोगी हो जाते हैं। इन नोटों को बदलने के लिए नए नोट छापने पड़ते हैं, जिससे सरकार और आरबीआई पर भारी वित्तीय बोझ पड़ता है। भारत जैसी विशाल देश में जहां अरबों नोट प्रचलन में हैं, वहां मुद्रा की टिकाऊपन बढ़ाना आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बन जाता है। इसी संदर्भ में पॉलीमर नोट एक प्रभावी विकल्प के रूप में सामने आए हैं। गौरतलब है कि पॉलीमर नोट विशेष प्रकार के प्लास्टिक आधारित पदार्थ से निर्मित किए जाते हैं। सामान्य कागजी नोट जहां कपास आधारित विशेष कागज से बनाए जाते हैं, वहीं पॉलीमर नोट अत्यधिक मजबूत और लचीले प्लास्टिक सबस्ट्रेट पर मुद्रित होते हैं। इनकी सबसे बड़ी विशेषता इनकी दीर्घायु है। विशेषज्ञों के अनुसार पॉलीमर नोटों की आयु पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में दो से चार गुना अधिक होती है। ये पानी, नमी, धूल, तेल, पसीने तथा बार-बार मोड़ जाने से अपेक्षाकृत कम प्रभावित होते हैं। भारत की जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए यह विशेषता और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के अधिकांश हिस्सों में गर्मी, आर्द्रता, मानसून और धूल जैसी परिस्थितियाँ सामान्य हैं। ऐसे वातावरण में कागजी नोट अपेक्षाकृत जल्दी खराब हो जाते हैं। पॉलीमर नोट इस समस्या का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके साथ ही पॉलीमर नोटों का दूसरा महत्वपूर्ण लाभ सुरक्षा से जुड़ा है। नकली मुद्रा भारत की आर्थिक सुरक्षा के लिए लंबे समय से एक चुनौती रही है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025-26 के दौरान बैंकिंग प्रणाली में लगभग 2.3 लाख नकली नोटों की पहचान की गई थी। यद्यपि यह संख्या कुल प्रचलित नोटों की तुलना में बहुत कम है, फिर भी इसका राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पॉलीमर नोटों में ऐसे कई उन्नत सुरक्षा फीचर जोड़े जा सकते हैं जिनकी नकल करना अत्यंत कठिन होता है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों के अनुभव बताते हैं कि पॉलीमर नोटों के प्रचलन से नकली मुद्रा के मामले में उल्लेखनीय कमी आई है। यदि आरबीआई और सरकार चरणबद्ध तरीके से इस योजना को लागू करते हैं, तो भारत भी उन अग्रणी देशों की श्रेणी में शामिल हो सकता है जिन्होंने अपनी मुद्रा प्रणाली को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सफलतापूर्वक रूपांतरित किया है। निस्संदेह, प्लास्टिक नोट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एकल एक नया प्रयोग नहीं, बल्कि वित्तीय आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पथर सिद्ध हो सकते हैं

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं)

जेन-जी आंदोलन की दशा और दिशा



विचार

डॉ. संजय शुक्ला

युवा ही किसी देश और समाज के राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक बदलाव के ध्वज वाहक होते हैं। इन दिनों देश में जेन- जी यानि वह पीढ़ी जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है वह चर्चा के केंद्र में है। डिजिटल मीडिया के संग पली-बढ़ी इस पीढ़ी की रफ्तार काफी तेज है लेकिन इस दौड़ में उनका काफी कुछ पीछे छूट रहा है। दो मिन्ट में फटाफट ‘मैगी’ वाली इस पीढ़ी को किसी जानकारी के लिए किताब के पन्ने उलटने या दिमाग पर जोर लगाने की बजाय ‘गूगल’ करना सुकून पहुंचता है। आज की पीढ़ी किसी उलझन से उबरने के लिए तरकीब सोचने की जगह तुरंत ‘चेटबॉट’ को अपनी समस्या सौंप देता है। इस इंस्टंट पीढ़ी के लाइफ में रिलेशनशिप और ब्रेकअप भी फटाफट है।यह वह जेनरेशन है जो सड़कों पर लंबा संघर्ष की बजाय सोशल मीडिया पर रील्स और मीम्स के जरिए अपनी आवाज को सत्ता प्रतिष्ठान तक पहुंचाने का माद्दा रखता है। सत्ता से सवाल पूछने का जेन – जी की अपनी भाषा और अपना नजरिया है जिसने आंदोलनों के स्वरूप को बदल कर रख दिया है।

गौरतलब है कि डिजिटल मीडिया पर कुछ दिनों पहले बनी कॉकरोच जनता पार्टी ‘सीजेपी’ के अगुवाई में दिल्ली में हाल में नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए हालिया प्रोटेस्ट को लेकर राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में बहस- मुबाहिसों का दौर जारी है। जेन- जी के इस आंदोलन में मीम्स और कार्टून की रफ्तार इतनी तेज थी कि इसने तमाम मर्यादाओं को रौंद डाला। प्रोटेस्ट में शामिल अनेक गलर्स प्रोटेस्टर्स ने प्रधानमंत्री और शिक्षामंत्री के खिलाफ अत्यंत अश्लील और अभद्र भाषाओं का इस्तेमाल किया जिसे सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस प्रोटेस्ट में धार्मिक और जातिगत नारे भी लगे जिसके चलते विवाद की स्थितियां बनी। कुछ प्रदर्शनकारियों ने भारत में बांग्लादेश और नेपाल जैसे हालात पैदा करने की चेतावनी दी जो अराजकता का

परिचायक था। कुछेक प्रोटेस्टर्स को देश के टुकड़े – टुकड़े करने की दंभोक्ति करते हुए भी देखा गया। बेशक चंद युवाओं के इस बदजुबानी के लिए कुछ लोग जिम्मेदार हैं जो देश के जेन जी को लगातार नेपाल और बांग्लादेश की तरह सड़कों पर उतरने के लिए उकसाते रहे हैं। इधर सोशल मीडिया पर कुछ यूट्यूबर्स, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, पत्रकार, लेखक – लेखिका और एक्टिविस्ट इन बदजुबान प्रोटेस्टर्स की भाषा और हरकतों को ‘जरिस्टफाई’ करने में जुटे हैं लेकिन यह हर लिहाज से अस्वीकार्य है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता से असहमति और आंदोलन लोगों का मौलिक अधिकार है लेकिन प्रतिरोध की भाषा कभी भी अभद्र और हिंसात्मक नहीं हो सकती।

बहरहाल ‘सीजेपी’ का एक महीने से ज्यादा चला यह आंदोलन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खत्म हो चुका है लेकिन इस प्रोटेस्ट ने जहां सत्ता की जड़ता को खत्म किया है वहीं सरकार को नयी पीढ़ी के साथ संवाद के लिए भी मजबूर किया है। दरअसल यह आंदोलन सिर्फ पेपर लीक को ही लेकर नहीं था बल्कि युवाओं के उन सवालों को लेकर भी था जिस पर सरकार और विपक्ष लगातार आंखें मूंदे हुए थी। जंतर-मंतर पर हुए इस प्रोटेस्ट के बाद सोशल मीडिया में यह भी बहस छिड़ी कि जिस आंदोलन को विपक्षी दलों को बहुत पहले करना था उसे सोशल मीडिया पर कुछ हफ्ते पहले पैदा हुई एक व्यंग्यात्मक पार्टी ने कर दिखाया। यह एक ऐसा आंदोलन था जिससे लोग स्व-स्फूर्त जुड़ते गए और सफलता के मुकाम तक पहुंच गया। बेशक यह सदियों पुरानी बनी राजनीतिक पार्टियों के लिए चिंतन का विषय है। हालिया परिदृश्य को देखें तो इसमें दोराय नहीं है कि आम छात्र और युवा दाखिला परीक्षाओं से लेकर नौकरी के लिए लौ जाने वाली भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और धांधलियों से बहुत ज्यादा आक्रांशित हैं। विडंबना है कि बीते सात सालों के दौरान 15 राज्यों में 70 से अधिक परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं फलस्वरूप 41 भर्ती परीक्षाओं को रद्द करना पड़ा है। पचें फूटने की घटनाओं में नौकरी भर्ती परीक्षाओं के साथ ही बोर्ड परीक्षाएं भी शामिल हैं जिसका असर 1.7 करोड़ अभ्यर्थियों पर पड़ा।



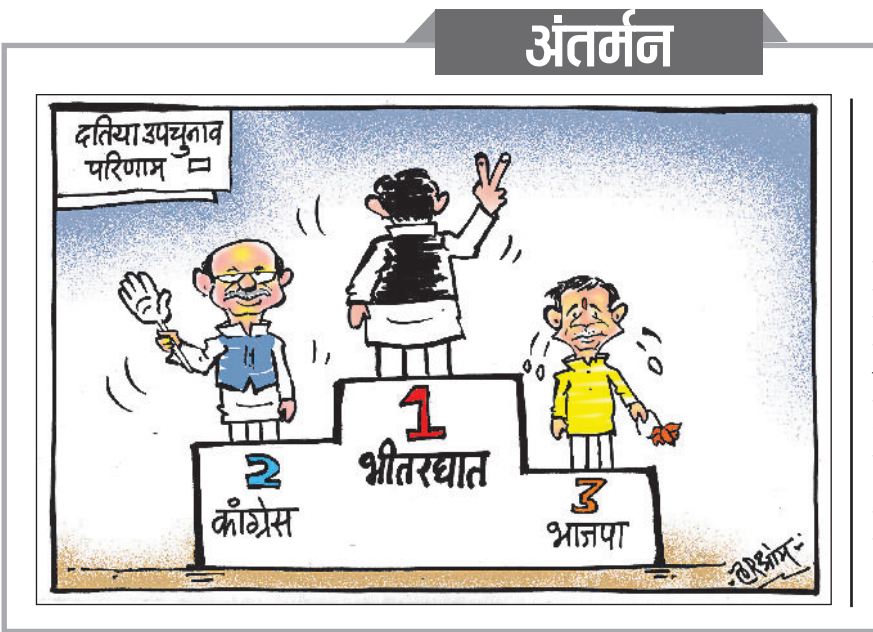
का मुख्य उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को फूल प्रूफ बनाने के साथ ही परीक्षाओं को पारदर्शी व तकनीक आधारित बनाने की है।

विचारणीय है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले देश में कोई भी आंदोलन गैर राजनीतिक नहीं हो सकता। बात हालिया ‘सीजेपी’ के प्रोटेस्ट की करें तो पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने गैर राजनीतिक बताया था लेकिन बाद में आंदोलन की दिशा राजनीतिक हो गई। सत्ता प्रतिष्ठान ने शुरुआत में इस प्रदर्शन को काफी हल्के में लिया लेकिन पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के भूख हड़ताल और पुलिस द्वारा उन्हें जबरिया अस्पताल में भर्ती करने के बाद यह आंदोलन देश के हर हिस्से में पहुंच गया। ‘सीजेपी’ के 20 जुलाई को दिल्ली में छात्रों और युवाओं के ‘चलो संसद मार्च ‘ के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिसिया लाठी चार्ज और अश्रुगैस छोड़ने की घटना ने आग में घी का काम किया।

बहरहाल यह आंदोलन इक्कीसवीं सदी में हुए 2011और 2012 में हुए अन्ना आंदोलन और निर्भया आंदोलन के लिहाज से अलग तेवर लिए हुए था। भारत में सोशल मीडिया ने राजनीति और आंदोलन

पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश को मिला है देवता का दर्जा

प्रदूषण की विनाशलीला को देखते हुए भारतीय ऋषियों ने कदम-कदम पर मानव को सजग किया है। चूंकि मनुष्य पंचमहाभूतों का समन्वय रूप है इसलिए सबसे पहले आध्यात्मिक महापुरुषों ने इसे जन्म से लेकर मृत्यु तक के अलग-अलग संस्कारों के साथ जोड़ दिया, ताकि मां के गर्भ में आने से लेकर सौ वर्ष तक वह अदैन्य भाव में जी सके। सबसे पहले भारतीय ऋषियों ने वसुधैव कुटुंबकम की जो परिकल्पना की, उसमें नख से लेकर शिख तक पूरा शरीर एक वसुधा (धरती) के समान है। शरीर के किसी भी हिस्से में तकलीफ है तो यह शरीर रूपी विश्व को प्रभावित करेगी। इसके अलावा मनुष्य के जीने के जितने भी स्तैत हैं, वे सभी कुटुंब के सदस्यों की तरह हैं। जिसे ‘क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, पंच रचित यह अधम शरीरा’ से समझा जा सकता है। शरीर का आंतरिक हिस्सा चूंकि अधम है इसलिए वाह्य प्रकृति से उन्तमोत्तम पदार्थ ग्रहण कर उदके स्वरूप को और अधिक विकृत होने से बचाया जाना नितांत जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश सबको देवता का दर्जा दिया गया। द्वापर युग के महानायक भगवान श्रीकृष्ण का पूरा जीवन ही प्रदूषण के खिलाफ संघर्ष और जन जागरण का है। उग्र की परवाह न कर वह यमुना के प्रदूषित तत्व कालिया नाग का वध, प्रदूषित अग्नि लगाने वाले प्रलंबासुर का वध, अंतरिक्ष को शुद्ध करने के लिए व्योमासुर का वध, धरती की शुद्धता के लिए गो पालन करते हैं। नेता युग में रावण ने भी खर और दूषण नामक पर्यावरण-शत्रु तैनात किया था।



करंट अफेयर

आंग सान सू ची से रेड क्रॉस के प्रतिनिधि ने मुलाकात की

म्यांमा की पूर्व नेता आंग सान सू ची से अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति (आईसीआरसी) के प्रतिनिधि ने सोमवार को राजधानी में मुलाकात की। सैन्य समर्थित सरकार ने यह जानकारी दी। वर्ष 2021 में सेना द्वारा सत्ता अपने हाथ में लिये जाने के बाद से सू ची ‘नजरबंद’ हैं, ऐसे में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता के लिए बाहरी दुनिया से संपर्क का यह एक दुर्लभ अवसर रहा। घोषणा के साथ जारी दो तस्वीरों में सू ची म्यांमा में आईसीआरसी के प्रतिनिधि अरनॉंड डी बैक से हाथ मिलाती तथा लकड़ी की आंतरिक सज्जा वाले कक्ष में उनके साथ बातचीत करती दिखाई दे रही हैं। तस्वीरें जारी करने वाले राष्ट्रपति प्रेस एवं सूचना ब्यूरो ने बताया कि यह बैठक सोमवार सुबह हुई। हालांकि, ब्यूरो ने बैठक के स्थान और बातचीत के विषय में कोई जानकारी नहीं दी। जारी की गई दो अन्य तस्वीरों में सू ची कैक काटनी नजर आ रही हैं। कैक पर ‘हेपी बर्थ डे आंटी सू, 19-6-2026’ लिखा है। इससे संकेत मिलता है कि ये तस्वीरें जून में उनके 81वें जन्मदिन के अवसर पर ली गई होंगी। तस्वीरों में सू ची सहज और मुस्कुराती दिखाई दे रही हैं। वे किसी प्रकार से असरस्थ भी नहीं लग रही हैं। हालांकि, केवल तस्वीरों के आधार पर उनकी वास्तविक शारीरिक स्थिति का स्वतंत्र रूप से आकलन नहीं किया जा सकता।



फिर घर के कामों में मदद के बदले भी उन्हें पैसे दिए जाने चाहिए? अगर हम बच्चों को उनके घरेलू कामों के बदले पैसे देते हैं, तो क्या इससे उनमें बिना किसी स्वार्थ के मदद करने के बजाय पैसे को ज्यादा अहमियत देने की आदत विकसित होने का खतरा है। यह धारणा नही नहीं है कि किसी काम के लिए पैसे देने से व्यक्ति में उस काम को करने की अंदरूनी (स्वतंत्र और स्वाभाविक) प्रेरणा कम या खत्म हो सकती है। इस बात के मिले-जुले प्रमाण हैं कि क्या पैसे देने से व्यक्ति की अंदरूनी प्रेरणा कम हो जाती है।

विचार हरिभूमि 8

जगत और दिशा

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

जगत में सबसे सुंदर कौन

एक कौआ सोचने लगा कि पंखियों में मैं सबसे ज्यादा कुरूप हूं। न तो मेरी आवाज ही अच्छी है, न ही मेरे पंख सुंदर हैं। मैं काला-कलूटा हूँ। ऐसा सोचने से उसके अंदर हीन भावना भरने लगी और वह दुःखी रहने लगा। एक दिन एक बगुले ने उसे उदास देखा तो उसकी उदासी का कारण पूछा। कौवे ने कहा: तुम कितने सुंदर हो, गोंरे-चिट्ठे हो, मैं तो बदसूल ल्याह वर्ण का हूँ। मेरा तो जीना ही बेकार है। बगुला बोला- दोस्त मैं कहां सुंदर हूँ। मैं जब तोते को देखता हूँ, तो यही सोचता हू कि मेरे पास हरे पंख और लाल चोंच क्यों नहीं है। अब कौए में सुन्दरता को जानने की उत्सुकता बढ़ी। वह तोते के पास गया। बोला- तुम इतने सुन्दर हो, तुम तो बहुत खुश होते होगे? तोता बोला- खुश तो था लेकिन जब मैंने मोर को देखा, तब से बहुत दुःखी हूँ, क्योंकि वह बहुत सुन्दर होता है। कौआ मोर को ढूढ़ने लगा, लेकिन जंगल में कहीं मोर नहीं मिला। जंगल के पक्षियों ने बताया कि सारे मोर चिड़ियाघर वाले पकड़ कर ले गए हैं। कौआ चिड़ियाघर गया, वहां एक पिंजरे में बंद मोर से जब उसकी सुंदरता की बात की, तो मोर रोने लगा। मोर बोला- शुक्र मनाओ कि तुम सुंदर नहीं हो, तभी आजादी से घूम रहे हो वरना मेरी तरह किसी पिंजरे में बंद होते। दूसरों से तुलना करके दुःखी होना बुद्धिमानी नहीं, असली सुन्दरता हमारे अच्छे कार्यों से आती है।

नशामुक्त यूथ, नशामुक्त विकसित भारत

युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। यदि युवा स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त होंगे, तभी भारत एक सशक्त, समृद्ध और विकसित राष्ट्र बन सकेगा। आज भारत विश्व का सबसे युवा देशों में से एक है। करोड़ों युवा अपने सपनों को साकार करने के लिए शिक्षा, रोजगार, खेल, विज्ञान और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन दूसरी ओर नशे की बढ़ती प्रवृति समाज और राष्ट्र के सामने एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और पूरे देश को प्रभावित करता है। सिगरेट, तंबाकू, शराब, गुटखा, ई-सिगरेट तथा अन्य नशीले पदार्थ धीरे-धीरे शरीर को कमजोर करते हैं, मानसिक क्षमता को कम करते हैं और व्यक्ति के आत्मविश्वास तथा निर्णय लेने की शक्ति को प्रभावित करते हैं। हमारे पास रंगी मिलान नशा मुक्ति केंद्र में ऐसे गंभीर नशे से पीड़ित बच्चे युवा आते हैं कि नशे की लत उनकी पढ़ाई छूटने, बेरोजगारी, आर्थिक संकट, अपराध और पारिवारिक विघटन का कारण भी बन जाती है। इस प्रक्रिया में प्रभावित करीजों के नजरों में जो उसे नशा छोड़ने की बात करते हैं वहीं उनके सबसे बड़े दुश्मन बन जाते हैं। कॉलेज और युवा अवस्था जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इसी समय भविष्य की नींव रखी जाती है। दुर्भाग्य से कुछ युवा फैशन, जिज्ञासा, तनाव या दोस्तों के दबाव में नशे की शुरुआत कर देते हैं। यह एक छोटी-सी शुरुआती जीवनभर का पक्षपात बन सकती है। इसलिए हर युवा को यह समझना होगा कि नशा आधुनिकता नहीं, बल्कि आत्मविश्वास की शुरुआत है। अपने परिजनों एवं अन्य माननीय जो आपको शुभचिंतक हैं उनकी बातों पर शांति से सोच समझकर अपनी गलतियों पर तत्काल रोक लगाये अवस्था वर्तमान आपका भविष्य बर्बाद कर देगा। नशामुक्त जीवन का अर्थ केवल नशे से दूर रहना नहीं है, बल्कि सकारात्मक सोच, अनुशासन, स्वस्थ जीवनशैली और जिम्मेदार नागरिक बनना भी है। नियमित व्यायाम, खेल, योग, ध्यान, पुस्तक पढ़ना, सामाजिक सेवा, परिवार के साथ समय बिताना और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना युवाओं को सही दिशा देता है। नशामुक्त भारत का सपना केवल सरकार या किसी एक संस्था का नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। परिवार, विद्यालय, महाविद्यालय, शिक्षक, सामाजिक संगठन और स्वयं युवा-सभी को मिलकर जागरूक होकर सामाजिक विकास और सुधार की प्रक्रिया में निरंतर शामिल रहकर जीवन का मूलमंत्र बनाए “दूसरों को भी इस जहर की जद से बचाएं”

-ममता शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अध्यक्ष संगी मिलान सेवा संस्थान नशा मुक्ति केंद्र

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फ़ैक्स :
0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से
hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

रिजिजू ने कहा चर्चा से भाग रहा है विपक्ष, खरगे ने पीएम, गृहमंत्री की अनुपस्थिति पर उठाए सवाल

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र के दौरान सरकार और विपक्ष के बीच टकराव लगातार जारी है। संसद की कार्यवाही अब तक एक भी दिन नहीं चल सकी। एक ओर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने विपक्ष पर महत्वपूर्ण विधेयको पर चर्चा से दूरी बनाने का आरोप लगाया, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर सरकार से संसद में जवाब मांगा। पीएम नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की सदन में अनुपस्थिति पर सवाल उठाये। उन्होंने कहा, सदन में आकर उन्हें जवाब

देना चाहिए। संसद परिसर के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए किरण रिजिजू ने कहा



कि लोकसभा में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पारित किया गया,

लेकिन विपक्ष के किसी भी सदस्य ने इस पर चर्चा में भाग नहीं लिया।

उन्होंने कहा कि इसी प्रकार राज्यसभा में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 भी पारित हुआ, लेकिन उस पर भी विपक्ष ने चर्चा में हिस्सा नहीं लिया। रिजिजू ने विपक्ष पर दोहरा रवैया

अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि संसद के बाहर विपक्ष यह दावा करता है कि उन्हें सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया जाता, लेकिन जब सरकार चर्चा के लिए अवसर देती है तो विपक्ष स्वयं चर्चा में भाग लेने से बचता है। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक बहस लोकतंत्र की आवश्यकता है और विपक्ष को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष की नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद परिसर में पेपर लीक मामले को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ हुई कथित पुलिस कार्रवाई पर सरकार को सदन में बयान देना चाहिए।

खरगे ने मांग की कि केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह संसद में आकर इस पूरे मामले पर विस्तृत वक्तव्य दें और स्पष्ट करें कि छात्रों के साथ कथित तौर पर क्या कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार से जवाब चाहता है क्योंकि यह छात्रों और युवाओं से जुड़ा गंभीर विषय है। संसद के मौजूदा सत्र में कई मुद्दों को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच लगातार गतिरोध बना हुआ है। विपक्ष जहां विभिन्न जनहित और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों पर सरकार से जवाब मांग रहा है, वहीं सरकार विपक्ष पर सदन की कार्यवाही में सहयोग न करने और महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा से बचने का आरोप लगा रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में भी संसद में इन मुद्दों पर राजनीतिक टकराव जारी रहने के आसार हैं।

ई-20 पर जयराम रमेश ने गडकरी के जवाब पर केंद्र को घेरा

नई दिल्ली (हरिभूमि ब्यूरो)। देशभर में ई-20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित) पेट्रोल के उपयोग को लेकर राजनीतिक विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। कांग्रेस महासचिव एवं राज्यसभा



सांसद जयराम रमेश ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के संसद में दिए गए जवाब को लेकर केंद्र सरकार पर कई गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार ई-20 पेट्रोल के कारण वाहनों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर लोगों की चिंताओं को लगातार नजर अंदाज कर रही है।

जयराम रमेश ने कहा कि 29 जुलाई को संसद में नितिन गडकरी ने कहा था कि ई-20 पेट्रोल को वर्षों तक वैज्ञानिक परीक्षणों के बाद लागू किया गया है और अब तक वाहनों को व्यापक स्तर पर नुकसान पहुंचने का कोई प्रमाण नहीं मिला है। लेकिन उनका कहना है कि सरकार का यह दावा जमीनी स्तर

पर सामने आ रही शिकायतों से मेल नहीं खाता। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कई महीनों से देशभर के वाहन मालिकों और मैकेनिकों द्वारा लगातार शिकायतें की जा रही हैं। इनमें पेट्रोल माइलेज में कमी, इंजन के प्रदर्शन में गिरावट, पुराने वाहनों में इंजन का अनुकूलता (कम्पैटिबिलिटी) की समस्या, ठंड के मौसम में इंजन स्टार्ट होने में कठिनाई तथा लंबे समय में इंजन के अधिक घिसने जैसी चिंताएं शामिल हैं। कांग्रेस नेता के अनुसार पुराने वाहनों में फ्यूल इंजेक्टर के जाम होने, फ्यूल लाइन में जंग लगने तथा रखर के पाइप, सील और मैस्कैट जैसे पुर्जों में दरार आने की घटनाएं भी बढ़ी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आम उपभोक्ताओं के पास अब ई-20 पेट्रोल के अलावा कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं बचा है। जयराम रमेश ने दावा किया कि इसी साल जुल में किए गए एक स्वतंत्र सर्वेक्षण में वर्ष 2023 से पहले बने 44 हजार से अधिक पेट्रोल वाहनों के मालिकों से बातचीत की गई थी। उनके अनुसार इस सर्वेक्षण में बड़ी संख्या में वाहन मालिकों ने ई-20 पेट्रोल के उपयोग के बाद प्रतिकूल प्रभाव महसूस होने की बात कही।

रेवाड़ी में तीन रेलवे फाटकों के स्थान पर बनेगा एकीकृत रेलवे ओवरब्रिज

परियोजना पर 207 करोड़ रुपये होंगे खर्च

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

रेवाड़ी में तीन रेलवे फाटकों के स्थान पर एकीकृत रेलवे ओवरब्रिज बनेंगे। इस परियोजना पर 207 करोड़ रुपये खर्च होंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री नयब सिंह सैनी की अध्यक्षता में सोमवार को चंडीगढ़ में आयोजित बैठक में रेवाड़ी जिले में स्थित तीन व्यस्त रेलवे लेवल क्रॉसिंग के स्थान पर एकीकृत रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण को मंजूरी प्रदान की गई। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत शहर में लंबे समय से रेलवे फाटकों के कारण लगने वाले जाम की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित होगा तथा यातायात अधिक सुगम, सुरक्षित और निर्बाध बनेगा।

हरियाणा स्टेट रोड्स एंड ब्रिजज डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा क्रियान्वित की जाने वाली इस परियोजना की अनुमानित लागत 207 करोड़ रुपये है। बैठक में लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अपूर्व कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वाहनों का आवागमन सुचारु रूप से हो सकेगा

इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद रेलवे फाटकों के बार-बार बंद रहने से होने वाली देरी समाप्त होगी और वाहनों का आवागमन बिना किसी बाधा के सुचारु रूप से हो सकेगा। इससे आम नागरिकों, विद्यार्थियों, व्यापारियों तथा एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन सेवाओं को विशेष सुविधा मिलेगी।

परियोजना के अंतर्गत दो लेन एवं चार लेन रेलवे ओवरब्रिज के साथ आवश्यक स्थानों पर रोड अंडरब्रिज, फायर ब्रिगेड तथा अन्य आधुनिक आधारभूत सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इससे सड़क और रेलवे यातायात पूरी तरह अलग हो जाएगा, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना में उल्लेखनीय कमी आएगी और सड़क सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी। यह परियोजना रेवाड़ी शहर में यातायात का दबाव कम करने, यात्रा समय और वाहन संचालन लागत में कमी लाने तथा क्षेत्रीय संपर्क को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही, इससे औद्योगिक, व्यापारिक एवं शहरी विकास को भी नई गति मिलेगी, जिससे रेवाड़ी जिले की आर्थिक गतिविधियों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा।

‘लिव-इन रिलेशनशिप’ मामले में सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

महिला के साथ क्रूरता करने वाले पुरुष के खिलाफ धारा 498ए के तहत होगा मुकदमा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498A का दायरा बढ़ाते हुए महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता से संबंधित यह प्रावधान उन लिव-इन रिलेशनशिप पर भी लागू होगा, जो ‘शादी जैसे रिश्ते’ की श्रेणी में आते हैं। न्यायालय के अनुसार, ऐसे मामलों में महिला के साथ क्रूरता करने वाले पुरुष के खिलाफ भी धारा 498A के तहत मुकदमा चलाया जा सकेगा। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने स्पष्ट किया कि धारा 498A केवल उन्हीं लिव-इन रिलेशनशिप पर लागू होगी, जो वास्तव में ‘शादी जैसे रिश्ते’ हों।

अदालत ने कहा कि ऐसे रिश्तों में विवाह करने का इरादा संबंध का एक महत्वपूर्ण तत्व होना चाहिए। पीठ ने यह भी कहा कि यह सुरक्षा केवल दो सहमति से साथ रहने वाले बालिंग व्यक्तिों के बीच बने रिश्तों पर ही लागू होगी। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि धारा 498ए की यह विस्तारित व्याख्या केवल इसी प्रावधान तक सीमित रहेगी। इसका प्रभाव भारतीय दंड संहिता या किसी अन्य कानून की किसी दूसरी धारा पर नहीं पड़ेगा। ऐसे मामलों में गिरफ्तारी और अन्य कानूनी कार्रवाई से जुड़े सभी सुरक्षा प्रावधानों का सख्ती से पालन किया जाएगा। यदि किसी ‘शादी जैसे’ लिव-इन रिलेशनशिप में महिला के साथ क्रूरता का आरोप लगाया जाता है, तो आरोपी व्यक्ति या उसके रिश्तेदार को बिना प्रारंभिक जांच के गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

अदालत ने स्पष्ट किया कि धारा 498ए केवल उन्हीं लिव-इन रिलेशनशिप पर लागू होगी, जो वास्तव में ‘शादी जैसे रिश्ते’ हों। यह सुरक्षा केवल दो सहमति से साथ रहने वाले बालिंग व्यक्तियों के बीच बने रिश्तों पर ही लागू होगी

आरोपी व्यक्ति या उसके रिश्तेदार को बिना प्रारंभिक जांच के गिरफ्तार नहीं किया जाएगा



मामला ‘शादी जैसे रिश्ते’ की श्रेणी में आना जरूरी



पैदल चलने वालों को मिले जगह

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को एक बड़ा निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि देश में जहां भी सड़कें हैं, वहां पैदल चलने वालों के लिए अलग जगह तय होनी चाहिए। इस जगह पर किसी भी तरह का कब्जा नहीं होना चाहिए। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अग्रवा की पीठ ने केंद्र सरकार के वकील को इस संबंध में अधिकारियों को जरूरी निर्देश देने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस काम के लिए किसी बड़े बजट या निर्माण की जरूरत नहीं है। सरकार रस्सी या किसी अन्य तरीके से भी पैदल चलने वालों के लिए रास्ता अलग कर सकती है। बस यह सुनिश्चित किया जाए कि गाड़ियां उस रास्ते में न आए। कोर्ट ने केंद्र को इस पर कदम उठाने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है।

अभिषेक की याचिका पर जल्द करें फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट से तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बेनर्जी की उस लंबित याचिका पर जल्द सुनवाई कर फैसला करने को कहा, जिसमें उन्होंने आंख की विशेष चिकित्सा के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगी है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी। मोहन को पीठ ने अभिषेक बेनर्जी की उस याचिका पर सुनवाई की।

रिश्तों में कानूनी

संरक्षण जरूरी

अदालत ने कहा कि कोई भी व्यक्ति यह सोचकर किसी रिश्ते में नहीं जाता कि उसके साथ भविष्य में क्रूरता होगी। जब दो लोग साथ जीवन शुरू करते हैं तो उनका उद्देश्य सुखद और सम्मान के साथ जीवन जीना होता है। लेकिन समय के साथ कुछ रिश्ते ऐसे मोड़ पर पहुंच जाते हैं, जहां कानूनी संरक्षण की जरूरत पड़ती है। इसलिए कानून में ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त प्रावधान होना चाहिए। धारा 498ए के तहत सुरक्षा के मामले में ‘विवाहित महिला’ और ‘शादी जैसे लिव-इन रिलेशनशिप’ में रहने वाली महिला के बीच अंतर करना घरेलू हिंसा रोकने के उद्देश्य से तार्किक नहीं है।

नहीं बनाएंगे राजनीतिक दल, 5 अगस्त से दो दिन की बैठक होगी: दीपके

एजेंसी ►► नई दिल्ली



काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) 5 अगस्त से छत्रपति संभाजीनगर में दो दिन की रणनीति बैठक करेगी। इस बैठक में पार्टी के संस्थापक, प्रवक्ता और

संगठन से जुड़े लोग शामिल होंगे। पार्टी ने कहा कि वह राजनीतिक दल नहीं बनाएगी। बैठक के बाद सीजेपी देशभर में अपने युवाओं की जरूरतों को समझने के लिए लिसनिंग टूर करेगी। पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि उन्हें बोस्टन यूनिवर्सिटी से स्कॉलरशिप मिली थी और बाकी पैसों के लिए लोन लिया था, जो अभी चुकाना बाकी है। अभिजीत दीपके ने आरोप

लगाया कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण छात्र विरोध प्रदर्शन में बाहरी लोगों ने घुसपैठ की थी, जिसके कारण 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हिंसा हुई। उन्होंने दावा किया कि विरोध को बदनाम करने के लिए बाहर से लोग भेजे गए थे। इन लोगों की दिल्ली पुलिस के साथ मिलीभगत थी। विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्थरबाजी और पुलिस कार्रवाई कैसे हो सकती है।

यूपीआई ने बनाया रिकॉर्ड, 23.66 अरब के लेनदेन के साथ 29.88 लाख करोड़ रुपये का हुआ भुगतान

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

भारत के डिजिटल भुगतान तंत्र ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यूपीआईड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने जुलाई 2026 में अपने इतिहास का सर्वाधिक मासिक लेनदेन दर्ज किया। इस दौरान यूपीआई के माध्यम से 23.66 अरब (बिलियन) डिजिटल लेनदेन हुए, जिनका कुल मूल्य 29.88 लाख करोड़ रुपये रहा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया पर इस उपलब्धि को भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। पीएमओ ने कहा कि यह उपलब्धि देश में डिजिटल भुगतान के लगातार बढ़ते दायरे और लोगों के बढ़ते भरोसे को दर्शाती है।

छोटे शहरों और ग्रामीण भारत में तेजी से बढ़ा उपयोग

पीएमओ के अनुसार यूपीआई का विस्तार अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं है। टियर-2, टियर-3 शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। छोटे दुकानदार, किसानों, स्वरोजगार से जुड़े लोगों और आम उपभोक्ताओं के बीच यूपीआई तेजी से सबसे पसंदीदा भुगतान माध्यम बन चुका है। विशेषज्ञों



का मानना है कि स्मार्टफोन और इंटरनेट की बढ़ती पहुंच, क्यूआर कोड आधारित भुगतान व्यवस्था तथा सरल डिजिटल लेनदेन प्रक्रिया ने यूपीआई को देश के हर वर्ग तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम भुगतान मंच

यूपीआई आज दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म बन चुका है। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर होने वाले तत्काल (इंस्टेंट) डिजिटल भुगतानों में लगभग हर दो में से एक लेनदेन यूपीआई के माध्यम से होता है। इससे भारत ने डिजिटल सार्वजनिक अवसरचना के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है।

दस वर्षों में डिजिटल क्रांति

11 अप्रैल 2016 को शुरू किया गया यूपीआई

शुरुआती दौर में एक प्रयोग के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन दस वर्षों के भीतर इसने भारत की भुगतान प्रणाली को पूरी तरह बदल दिया। आज यह देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुका है।

यूपीआई ने न केवल नकदी पर निर्भरता कम की है, बल्कि बैंक खाते से सीधे सुरक्षित और तत्काल भुगतान की सुविधा देकर वित्तीय समावेशन को भी मजबूत किया है। इससे छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप, ई-कॉमर्स, सार्वजनिक सेवाओं और आम नागरिकों को बड़ी सुविधा मिली है।

डिजिटल इंडिया अभियान की मिली मजबूती

सरकार का मानना है कि यूपीआई की सफलता डिजिटल इंडिया अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। इसके माध्यम से पाददशी, तेज, सुरक्षित और कम लागत वाली भुगतान व्यवस्था विकसित हुई है, जिसका लाभ देश के करोड़ों नागरिक उठा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यदि यही रफ्तार जारी रही तो आने वाले वर्षों में यूपीआई न केवल भारत की अर्थव्यवस्था बल्कि वैश्विक डिजिटल भुगतान व्यवस्था में भी और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

फ्रिक इंडिया लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : 21.5 किमी., मेन मथुरा रोड, फरीदाबाद- 121003

CIN - L74899HR1962PLC002618, E-mail- cs@frickmail.com, Ph. 0129-2275691-94, 2270546-47 ; Fax: 0129-2275695 Web: www.frickweb.com

सूचना

फ्रिक इंडिया लिमिटेड ("दि कंपनी") के बिना दावे वाले लाभार्थी(।) और इक्विटी

शेयरों का निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष (आईईपीएफ) अकाउंट में हस्तांतरण कंपनी के शेयरधारकों को एतद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष प्राधिकरण (अकाउंटिंग, ऑडिट, ट्रॉसफर और रिकंड) नियमों, 2016 ("रूल्स"), समय-समय पर संशोधित अनुसार के साथ पठित कम्पनी अधिनियम 2013 ("अक्ट") की धारा 124(6) के प्रावधानों के अनुसार में, कंपनी को उन इक्विटी शेयरों का हस्तांतरण निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष (आईईपीएफ) प्राधिकरण, करने की आवश्यकता है जिनका लाभार्थी सात लगातार वर्षों या उससे अधिक के लिए बिना दावा किये रह गया है।

उपरोक्त प्रावधानों के अनुपालन में, व्यक्तिगत संचार सभी शेयरधारकों को उनके पंजीकृत पते पर भेज दिया गया है, जिनके लाभार्थी सात लगातार वर्षों के लिए बिना दावा किये रह गये थे और जिनके शेयर हस्तांतरण की निर्धारित तिथि से 03 महीने पूर्व आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित किये जाने योग्य हैं। यह सूचना अधिनियम और नियमों के तहत अपेक्षित अनुसार साथ-साथ समाचार-पत्रों में प्रकाशित को जा रही है। ऐसे शेयरधारकों, जो अपने लाभार्थी(।) का नकदीकरण नहीं करचा चुके हैं, को एक सूची कम्पनी की वेबसाइट पर https://www.frickweb.com पर उपलब्ध है।

शेयरधारकों से यह ध्यान देने का आग्रह किया जाता है कि यदि 05.11.2026 तक लाभार्थी(।) का दावा नहीं किया जाता है तो तबियत वर्ष 2018-19 के लिए बिना दावा किये रह गये थे और आईईपीएफ को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। आगे, अनुकूल इक्विटी शेयर जिनके सम्बन्ध में सात लगातार वर्षों के लिए लाभार्थी बिना दावा किये रह गये, को भी शेयरधारकों को आगे बिना सूचना दिये निम्नलिखित तरीके से आईईपीएफ प्राधिकरण के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा :

● **भौतिक रूप में** : नये शेयर सर्टिफिकेट (एस) आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण करने पर आईईपीएफ के पक्ष में जारी और हस्तांतरित किये जाएंगे। मूल शेयर सर्टिफिकेट(एस) को शेयरधारक के नाम पंजीकृत है, को निरस्त माना जाएगा। नये शेयर सर्टिफिकेट्स जारी करने के पश्चात, कम्पनी/आउटग शेर सर्टिफिकेट्स को डिमैट रूप में परिवर्तित करने के लिए कांफिर्ट कार्यवाही के द्वारा डिपॉजिटरी को सुचित और आईईपीएफ प्राधिकरण के पक्ष में हस्तांतरित करेंगे।

● **डिमेंटेरियलाइज्ड रूप में** : कंपनी, डिपॉजिटरी के माध्यम से कांफिर्ट कार्यवाही द्वारा इक्विटी शेयरों का हस्तांतरण आईईपीएफ प्राधिकरण के पक्ष में डिमैट अकाउंट में करने की प्रक्रिया करेंगी। कृपया ध्यान दें कि आईईपीएफ प्राधिकरण को ऐसे इक्विटी शेयरों का हस्तांतरण करने पर, ऐसे शेयरों पर अंतिम किए हुए सभी लाभ भी आईईपीएफ प्राधिकरण को क्रेडिट किए जाएंगे और ऐसे शेयरों पर मतदान अधिकार शेयरों का दावा करने वाले यही मालिक मिलने तक प्रोजन बने रहेंगे।

सदस्यों को चेतावनी दी जाती है कि, आईईपीएफ नियमों के अनुसार में आईईपीएफ प्राधिकरण को इक्विटी शेयरों का हस्तांतरण करने के पश्चात बिना दावा किये लाभार्थी(।) और उक्त नियमों के अनुसार में आईईपीएफ को हस्तांतरित किए गए शेयरों के सम्बन्ध में कम्पनी के विश्द को दावा नहीं रहेगा। शेयरधारक यह भी ध्यान दें कि ऐसे हस्तांतरण के पश्चात, शेयरधारक/दावाकर्ता नियमों के तहत निर्धारित अनुसार प्रथम आईईपीएफ-5 में आईईपीएफ प्राधिकरण को एक अलग आवेदन करके आईईपीएफ प्राधिकरण से लाभार्थी के साथ-साथ हस्तांतरित किए गए शेयरों का दावा कर सकते हैं। और यह एमसीए वेबसाइट अर्थात https://www.mca.gov.in/content/mca/global/en/home.html पर उपलब्ध करवाया गया है।

इस मामले में किसी भी जानकारी/स्पष्टीकरण के लिए, संबंधित शेयरधारकों/दावाकर्ताओं से आग्रह किया जाता है कि कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रॉसफर एजेंट्स, मै. एमयूएफकी इन्टरट्राम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड (पूर्व में लिंक इन्टरट्राम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के रूप में जानी जाती), नोबल हाइट्स, प्रथम तल, प्लॉट नं. एनएच-2, एएएससी, से-1 ब्लॉक, निक्ट सॉल्विजी मार्केट, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से सम्पर्क कर सकते हैं; टेली. नं. : 011-41410593, ईमेल: investor.helpdesk@in.mpmis.mufg.com

कृते व निदेशक मंडल की ओर से फ्रिक इंडिया लिमिटेड हस्ता/ अमित सिंह तोमर सदस्यता सं. PY64813 कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी

स्थान : फरीदाबाद दिनांक : 04 अगस्त, 2026

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

शकूर बस्ती – पलवल – शकूर बस्ती ईएमयू रेलगाड़ी की सेवा का मथुरा जं. तक एवं नई दिल्ली – पलवल – गाजियाबाद जं. ईएमयू रेलगाड़ी की सेवा का कोसी कलॉ तक अस्थायी विस्तार

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा रेलगाड़ी सं. **64016/64019** शकूर बस्ती – पलवल – शकूर बस्ती ईएमयू रेलगाड़ी का मथुरा जं. तक एवं रेलगाड़ी सं. **64082/64051** नई दिल्ली – पलवल – गाजियाबाद ईएमयू रेलगाड़ी का कोसी कलॉ तक अस्थायी विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:--

रेलगाड़ी सं. 64016/64019 शकूर बस्ती – पलवल – शकूर बस्ती ईएमयू का मथुरा जं. तक अस्थायी विस्तार					
रेलगाड़ी सं. 64016	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 64019	आगमन	प्रस्थान	
--	14:30	शकूर बस्ती	00:45	--	
शकूर बस्ती से पलवल के बीच कोई परिवर्तन नहीं					
16:45	16:50	पलवल	22:15	22:20	
17:00	17:02	रूँधी	21:23	21:25	
17:12	17:14	शोलाका	21:11	21:13	
17:20	17:21	बनचारी	21:04	21:05	
17:29	17:31	होदल	20:54	20:56	
17:43	17:45	कोसी कलॉ	20:40	20:42	
17:55	17:57	छाता	20:28	20:30	
18:07	18:09	अझाई	20:16	20:18	
18:19	18:21	वृन्दावन रोड	20:04	20:06	
18:30	18:32	भूतेरखर	19:53	19:55	
19:15	--	मथुरा जं.	--	19:45	

विस्तार की तिथि:

रेलगाड़ी सं. 64016 शकूर बस्ती एवं रेलगाड़ी सं. 64019 पलवल से दिनांक 30.08.2026 तक (प्रतिदिन)।

रेलगाड़ी सं. 64082/64051 नई दिल्ली – पलवल – गाजियाबाद ईएमयू का कोसी कलॉ तक अस्थायी विस्तार					
रेलगाड़ी सं. 64082	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 64051	आगमन	प्रस्थान	
--	--	गाजियाबाद	01:40	--	
--	18:00	नई दिल्ली	00:25	00:30	
नई दिल्ली से पलवल के बीच कोई परिवर्तन नहीं					
19:40	19:45	पलवल	23:00	23:05	
19:55	19:57	रूँधी	22:26	22:28	
20:07	20:09	शोलाका	22:14	22:16	
20:15	20:16	बनचारी	22:07	22:08	
20:24	20:26	होदल	21:57	21:59	
21:00	--	कोसी कलॉ	--	21:45	

विस्तार की तिथि:

रेलगाड़ी सं. 64082 नई दिल्ली से एवं रेलगाड़ी सं. 64051 पलवल से दिनांक 30.08.2026 तक (प्रतिदिन)।

राष्ट्रमंडल खेल : भारत का उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन, जूडो में चमके, मुक्केबाजों ने दिखाया दम

एजेंसी ►► ग्लासगो

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे, जिनमें भारत का रिकॉर्ड अच्छा रहा है लेकिन इसके बावजूद देश ने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया तथा मुक्केबाजों, जूडो खिलाड़ियों और पैरा एथलीटों के दमदार प्रदर्शन के बलबूते पर 39 पदकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में केवल 10 खेल शामिल थे। कुश्ती, निशानेबाजी, बैडमिंटन और हॉकी जैसे खेल इसमें शामिल नहीं थे, जिनमें भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है। खेलों के शुरू होने से पहले नहीं लग रहा था कि भारत शीर्ष पांच में जगह बना पाएगा। लेकिन भारत का 122 सदस्यीय दल 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक लेकर लौटा, जिससे पता चलता है कि देश अन्य खेलों में भी अच्छी प्रगति कर रहा है। भारत को चौथा स्थान दिलाने में मुक्केबाजी की भूमिका अहम रही।

मुक्केबाजों ने किए रिकॉर्ड 10 पदक हासिल

भारतीय मुक्केबाजों ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड सात स्वर्ण पदक और कुल मिलाकर 10 पदक हासिल किए। जहां महिला मुक्केबाजों ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए शानदार प्रदर्शन किया, वहीं पुरुषों ने भी अपना पूरा दम दिखाया। इस प्रदर्शन को हालांकि इस संदर्भ में देखना जरूरी है कि कई यूरोपीय और एशियाई देशों की अनुपस्थिति के कारण प्रतियोगिता ऑलिंपिक या विश्व चैंपियनशिप जितनी कठिन नहीं थी। फिर भी भारत ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाया।



जूडो में पहली बार मिला गोल्ड

इसके अलावा जूडो भी भारत के लिए एक और बड़ा सकारात्मक पहलू था। लंबे समय से हाशिये पर रहने वाले इस खेल में राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अपने पिता के निधन के कुछ महीनों बाद अस्मिता डे का स्वर्ण पदक और हर्ष सिंह का खिताब पिछले कुछ वर्षों में इस खेल में देश की निरंतर प्रगति का पता चलता है।

पैरा खेलों में बड़ी ताकत

भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने भी बड़े मंच पर अपनी प्रगति जारी रखी। पावरलिफ्टिंग से लेकर एथलेटिक्स तक, भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि पैरालंपिक खेलों में उनकी सफलता कोई संयोग नहीं थी। विभिन्न खेलों में मिले पदकों से देश की पैरा खेलों में बढ़ती ताकत का पता चलता है।

एथलेटिक्स में भारत का प्रदर्शन मिश्रित

एथलेटिक्स में भारत का प्रदर्शन मिश्रित रहा। चोट से उबरकर लौटे ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा को रजत पदक से संतोष करना पड़ा और पदक के कुछ अन्य दावेदार भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। लेकिन एथलेटिक्स में कुछ यादगार प्रदर्शन भी देखने को मिले। तेजस्विन शंकर ने घुटने की चोट से उबरते हुए डेकाथलॉन में पदक जीता, गुलवीर सिंह ने लंबी दूरी की दौड़ में अपनी छाप छोड़ी और वह दो पदक जीतने वाले भारत के एकमात्र खिलाड़ी रहे।

खबर संक्षेप



वीनस की जीत का इंतजार बढ़ा, कामिला से हारी

टोरंटो। वीनस विलियम्स का वापसी के बाद पहली जीत के लिए इंतजार और बढ़ गया क्योंकि उन्हें नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। वीनस को कामिला रखिमोवा ने 6-4, 6-1 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। बारिश के कारण यह मैच ढेर से खेला गया। इस डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली 46 वर्षीय वीनस जुलाई 2025 से लगातार 12 मैच हार चुकी हैं। 24 वर्षीय रखिमोवा उज्बेकिस्तान की रहने वाली हैं। वह विश्व रैंकिंग में 82वें स्थान पर काबिज हैं।

एनआरएआई ने पांच दिन का आईएसएसएफ शॉटगन रेफरी कोर्स शुरू किया

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने सोमवार को यहां आईएसएसएफ शॉटगन रेफरी पाठ्यक्रम शुरू किया जिसका लक्ष्य निशानेबाजी के खेल के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के तकनीकी अधिकारी तैयार करना है। तीन से सात अगस्त तक चलने वाला यह पांच दिन का पाठ्यक्रम मैच अधिकारियों के लिए एक बेहतरीन ट्रेनिंग मंच का काम करता है। यह पाठ्यक्रम बहरीन के आईएसएसएफ से नामित इंस्ट्रक्टर नूरुद्दीन अलयासी चला रहे हैं जिनकी मदद भारत के अमर जंग सिंह कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में भारत के अलावा सऊदी अरब और श्रीलंका के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच बने रिमथ

लाहौर। बल्लेबाजों के लगातार खराब प्रदर्शन से परेशान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर माइक स्मिथ को राष्ट्रीय टीम का नया बल्लेबाजी कोच बनाया है। वह आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए टीम के साथ जुड़ेंगे। लेवल चार के बल्लेबाजी कोच स्मिथ को टी20 फ्रेंचाइजी क्रिकेट के साथ काफी अनुभव है, विशेषकर पाकिस्तान सुपर लीग की कई टीम के साथ काम करने का।

टेस्ट : पाक के खिलाफ वेस्टइंडीज मजबूत

पोर्ट ऑफ स्पेन। जस्टिन ग्रीक्स के नाबाद अर्धशतक और रोस्टन चेज के साथ उनकी 66 रन की अटूट साझेदारी की मदद से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन 5 विकेट पर 239 रन बनाए। खराब रोशनी के कारण 74 ओवरों के बाद दिन का खेल समाप्त होने के समय ग्रीक्स 64 और चेज 36 रन पर खेल रहे थे। इससे पहले ग्रीक्स ने शाई होप (29) के साथ पांचवें विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की थी। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग ने उसे आक्रामक शुरुआत देते हुए 50 गेंदों में 46 रन बनाए। बारिश के कारण सुबह के सत्र में केवल 9.5 ओवर ही फेंके जा सके, जिसमें किंग ने तेगनारायण चंद्रपौल (15) के साथ पहले विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी की।

चोटिल बुमराह की जगह श्रीलंका के खिलाफ खेलेंगे सीरीज

औकिब बने कश्मीर घाटी के पहले टेस्ट क्रिकेटर, श्रीलंका दौरे पर दिखाएंगे दम

एजेंसी ►► नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी को चोटिल जसप्रीत बुमराह की जगह श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया।

इस तरह से वह भारत की टेस्ट टीम में जगह बनाने वाले कश्मीर घाटी के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। नबी को पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

चोट के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर बुमराह

बुमराह को फिटनेस के आधार पर टेस्ट टीम में शामिल किया गया था लेकिन वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के दौरान बाएं घुटने में लगी चोट से अभी तक पूरी तरह नहीं उबर पाने के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने कहा, 'पुरुष चयन समिति ने बुमराह के स्थान पर औकिब नबी को टीम में शामिल किया है। जम्मू और कश्मीर के इस तेज गेंदबाज को पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है।'



श्रीलंका ए के खिलाफ चटका चुके हैं 6 विकेट

आकिब नबी ने हाल ही में श्रीलंका ए के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 6 विकेट चटकाए थे, जिसमें एक ही पारी में 4 विकेट हॉल लेना शामिल था। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में आकिब नबी ने कुल 43 मैच खेले हैं और इस दौरान उन्होंने 71 पारियों में 18.63 की बेहतरीन औसत और 2.90 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ 162 विकेट हासिल किए हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उन्होंने 16 बार 5 विकेट हॉल और 4 बार 10 विकेट हॉल लेने का कीर्तिमान अपने नाम किया है।

कॉमनवेल्थ की पदक विजेता ज्ञानेश्वरी बनीं डीएसपी, मिलेंगे 30 लाख रुपये



रायपुर। बलासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल-2026 में महिला वर्ग की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनंदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव का मुख्यमंत्री निवास में आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री दिष्णु देव साय ने ज्ञानेश्वरी को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए उन्हें 30 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि तथा आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा, यह सम्मान प्रदेश की प्रतिभा, परिश्रम और संकल्प का सम्मान है। मुख्यमंत्री ने कहा, ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।



अमेरिकी क्रिकेटर अखिलेश रेड्डी पर आठ साल का बैन

एजेंसी ►► नई दिल्ली

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका (यूएसए) के क्रिकेटर बोडुगम अखिलेश रेड्डी पर सभी तरह के क्रिकेट से 8 साल का बैन लगाया है। उन्हें एंटी-कॉरप्शन ट्रिब्यूनल ने एंटी-कॉरप्शन कोड के तीन नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया है।

आईसीसी ने कहा, आर्टिकल 2.1.1: एंटी-कॉरप्शन कोड के तहत तीन मुख्य नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया है। 26 वर्षीय रेड्डी पर ये कार्रवाई संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले अबु धाबी टी10 टूर्नामेंट के 2025 एंड्रशान से जुड़ी भ्रष्ट गतिविधियों के कारण की गई है। आईसीसी को एंटी-कॉरप्शन क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस लीग के लिए 'डेजिगनेटेड एंटी-कॉरप्शन ऑफिशियल' (डीएसीओ)

के तौर पर नियुक्त किया था। आईसीसी के मुताबिक रेड्डी का 8 साल का सस्पेंशन 21 नवंबर 2025 से लागू माना जाएगा, जब उन्हें पहली बार अस्थायी रूप से सस्पेंड किया गया था। ट्रिब्यूनल की औपचारिक कार्रवाई के बाद, रेड्डी को एंटी-कॉरप्शन कोड के तहत तीन मुख्य नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है।

आईसीसी ने कहा, आर्टिकल 2.1.1: एंटी-कॉरप्शन कोड के तहत तीन मुख्य नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया है। 26 वर्षीय रेड्डी पर ये कार्रवाई संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले अबु धाबी टी10 टूर्नामेंट के 2025 एंड्रशान से जुड़ी भ्रष्ट गतिविधियों के कारण की गई है। आईसीसी को एंटी-कॉरप्शन क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस लीग के लिए 'डेजिगनेटेड एंटी-कॉरप्शन ऑफिशियल' (डीएसीओ)

कोरिया ओपन आज से, तन्वी के प्रदर्शन पर नजरें

तन्वी और श्रीकांत संभालेंगे भारतीय चुनौती की कमान

एजेंसी ►► आसन

ताइपे ओपन की चैंपियन तन्वी शर्मा और किदांबी श्रीकांत मंगलवार से शुरू हो रहे कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। पंजाब की 17 वर्षीय तन्वी पर कोरिया ओपन में प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। वह महिला एकल में क्वालीफायर के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। पुरुष एकल में तीसरे वरीय श्रीकांत पर नजर रहेगी, जो फिटनेस समस्या के कारण कनाडा ओपन में नहीं खेल पाए थे। वह अब पूरी तरह से फिट हैं और इजरायल के डैनियल डुबोवेंको के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगे।

तान्या को मिलेगी हिना अकेची से कड़ी चुनौती

महिला एकल में सातवीं वरीयता प्राप्त मालविका बंसोड़ को भी पहले दौर में क्वालीफायर का सामना करना है लेकिन तान्या हेमंत को जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त हिना अकेची की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। आकर्षी कश्यप का मुक़ाबला दक्षिण कोरिया की किम मिन जी से, जबकि श्रेयांशी वालिथेट्टी का चीनी ताइपे की पाइ यू पो से होगा। रक्षिता श्री संतोष रामराज और अहिमता चालिहा दोनों क्वालीफायर के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।



आठवीं वरीयता प्राप्त अनमोल खरब का मुक़ाबला हांगकांग की ली सिन यान हैप्पी से और मानसी सिंह का सामना दक्षिण

कोरिया की किम जू यून से होगा। पांचवीं वरीयता प्राप्त इशाराणी बरुआ दक्षिण कोरिया की ली सो यून से भिड़ेंगी।

युगल जोड़ियों को दिखाना होगा दम

महिला युगल में सेनाली सिंह और रितिका ठाकर का सामना क्वालीफायर से होगा, जबकि प्रिया कोजिगंडम और श्रुति मिश्रा दूसरी वरीयता प्राप्त जापानी जोड़ी रिरिना हिरामोटो और कोकोना इशीकावा से भिड़ेंगी। पुरुष युगल में कृष्णा प्रसाद गरगा और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय पहले दौर में थाईलैंड के चालोम्पोन चारोएकितामर्ग और वीरपील वीजरा का सामना करेंगे। मार्गव राम अग्रिहोला और विश्व तेज गोब्बुरु का मुक़ाबला मलेशिया के आरोन चिया और आरोन ताई से होगा, जबकि अच्युतादित्य राव डोड्डावरपु और पोचना अर्जुन रेड्डी दक्षिण कोरिया के चाई सोल यूू और मलेशिया के गोह वी शेन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

Dr. Juneja's

डा.आर्थो[®]

Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना

डा. आर्थो तेल जोड़ों के दर्द को जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है।

मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें।

ASIA'S MOST PROMISING BRAND

Dr. Ortho[®]

An Ayurvedic Medicino

Helpful in Painful Conditions

20% EXTRA

300ml+20ml Extra

Helpful in Painful Conditions

20% EXTRA

300ml+20ml Extra

Clinically Tested*

*For efficacy and safety.

घुटना दर्द

गर्दन दर्द

कलाई दर्द

कमर दर्द

Helpline : 7876977777 | www.drorthooil.com | Available at all medical & general stores

वर्तमान में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 1.5 अरब डॉलर

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच 3 साल में 2 गुना हो जाएगा कारोबार

एजेसी ►► नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और उज्बेकिस्तान के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आह्वान किया है। भारत-उज्बेकिस्तान बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं, जिनका अभी पूरी तरह दोहन नहीं हुआ है।

उज्बेकिस्तान के निवेश, उद्योग और व्यापार मंत्री लाजिज कुद्रतोव की मौजूदगी में गोयल ने दोनों देशों के कारोबारियों से निवेश, मैनुफैक्चरिंग और इनोवेशन में मिलकर काम करने की अपील की। वर्तमान में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 1.5 अरब डॉलर है। केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह आंकड़ा दोनों अर्थव्यवस्थाओं की वास्तविक क्षमता की तुलना में बहुत छोटा है, और इसे अगले तीन वर्षों में दोगुना करने का लक्ष्य रखा जाना चाहिए। हाल ही में संपन्न हुई द्विपक्षीय निवेश संधि का उल्लेख करते हुए वाणिज्य मंत्री ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के निवेशकों का भरोसा मजबूत करेगा। उन्होंने भारत को एक भरोसेमंद साझेदार, बड़ा बाजार और कुशल युवा कार्यबल वाला मजबूत मंच बताते हुए दोनों देशों के उद्योगपतियों को दीर्घकालिक व्यावसायिक संबंध बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

निवेश संधि से दोनों देशों के बीच बढ़ेगा विश्वास

भारत बड़ा कारोबार और युवा शक्ति है भारत की ताकत

इन क्षेत्रों में हैं व्यापारिक संभावनाएं

दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को नई मजबूती देने के लिए खनन, टेक्सटाइल, और हेल्थकेयर तथा मेडिकल डिवाइस जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उज्बेकिस्तान का समृद्ध खनन क्षेत्र भारतीय निवेशकों को नए अवसर प्रदान करता है। वहीं, टेक्सटाइल उद्योग में उज्बेकिस्तान के कपास उत्पादन और भारत के वृहद अनुभव का लाभ उठाकर गारमेंट मैयुफैक्चरिंग और वैश्विक निर्यात में संयुक्त रूप से विस्तार किया जा सकता है। इसके अलावा, स्वास्थ्य सेवाओं और उन्नत चिकित्सा उपकरणों के निर्माण में भी बड़े पैमाने पर सहयोग के अवसर उपलब्ध हैं।

जहां भिड़े थे भारतीय और चीनी सैनिक, वहीं भारत बिछाने जा रहा रेलवे लाइन

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इस कड़ी में सरकार उत्तर बंगाल में चालसा के पास स्थित खुनिया मोड़ से 'जलढाका' रेलवे प्रोजेक्ट के जरिए भारत-चीन-भूटान ट्राई-जंक्शन के पास बॉर्डर तक कनेक्टिविटी बढ़ाने की योजना बना रही है। यह प्रोजेक्ट नॉर्थ बंगाल में 17 किलोमीटर का नया स्ट्रेटेजिक रेल लिंक है, जिसकी अनुमानित लागत 272 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस प्रोजेक्ट का मकसद डुआर्स इलाके में टूरिज्म को बढ़ावा देना है।

यह इलाका डोकलाम झड़प के लिए जाना जाता है, जहां साल 2017 में भारत, भूटान और चीन के ट्राई-जंक्शन के पास के पठार पर भारत और चीन के बीच 73 दिनों तक सैन्य सीमा विवाद चला था।

उमरती हुई चुनौतियों से मुकाबले के लिए सैन्य-नागरिक सेवाओं के बीच मजबूत सहयोग की दरकार

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर बनी हुई सुरक्षा चुनौतियों और तीनों सशस्त्र सेनाओं (सेना, वायुसेना और नौसेना) के बीच संयुक्तता और एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए गठित की जा रही थिएटर कमांड के गठन की कवायद के मध्य रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को दो टूक अंदाज में कहा कि सेना को अपनी शक्ति केवल हथियारों और गोला बारूद से ही नहीं मिलती है। बल्कि यह उन हजारों अदृश्य हाथों से भी मिलती है। जो हमेशा उसका समर्थन करते हैं। सशस्त्र सेना मुख्यालय नागरिक सेवा इन्हीं अदृश्य लेकिन निर्णायक शक्तियों में से एक है। रक्षा मंत्री के इस बयान का संबंध मंत्रालय के सैन्य और नागरिक घटकों के बीच सहयोग को पहले के मुकाबले और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता से जुड़ा हुआ है।

यह जानकारी उन्होंने 3 अगस्त को नई दिल्ली में 85वें सशस्त्र सेना मुख्यालय नागरिक सेवा दिवस (एएफएचक्यू) समारोह को संबोधित करते हुए दी है। जिसमें उन्होंने यह भी कहा कि एएफएचक्यू को अनुसंधान, भू-रणनीतिक चिंतन तथा नवोन्मेषी विचारों के माध्यम से सुरक्षा ढांचे को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मंत्रालय के स्थायी केंद्र होने की वजह से इनके पास गहन क्षे्र का ज्ञान है। जिसकी वजह से रक्षा संबंधी मुख्य मामलों में इसकी सक्रिय भागीदारी की दरकार है।

सेना को अपनी शक्ति केवल हथियारों और गोला बारूद से ही नहीं मिलती: राजनाथ सिंह

राजधानी में आयोजित किए गए 85वें सशस्त्र सेना मुख्यालय नागरिक सेवा दिवस समारोह को संबोधित करते हुए बोले

सैन्य-नागरिक घटकों के बीच बढ़े सहयोग

उन्होंने रक्षा मंत्रालय के सैन्य और नागरिक घटकों के बीच भी सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इसके पीछे छिपा हुआ उद्देश्य सुरक्षा तथा तकनीकी चुनौतियों से दो-दो हाथ करने के लिए रक्षा तंत्र में पहले के मुकाबले ज्यादा तालमेल स्थापित करने, संस्थागत स्मृति, स्थिरता और नियमों के प्रभावी अनुप्रयोग को सुनिश्चित करना है। समारोह में रक्षा राज्य मंत्री, रक्षा सचिव, सीडीएस, नौसेनाप्रमुख और सेनाप्रमुख सहित मंत्रालय के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। कई डिजिटल पहलों का भी इस दौरान शुभारंभ किया गया। जिसमें संयुक्त सचिव-मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मुख्य हैं। संवाद पत्रिका का 44वां अंक भी जारी किया गया।

यू आसान हो जाएगा निर्णय लेना

रक्षा मंत्री के मुताबिक, जब सैन्य और नागरिक पक्ष की शक्तियां आपस में मिल जाती हैं। तब निर्णय लेना अधिक संतुलित और प्रभावी हो जाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि सैन्य अधिकारी अपने परिचालन अनुभव, कमान का दृष्टिकोण और युद्ध की समझ को अपने साथ लाते हैं। जबकि इसकी तुलना में नागरिक अधिकारी के पास प्रशासनिक निरंतरता, नीतिगत अनुभव, सरकारी प्रक्रियाओं की समझ और संस्थागत स्मृति के जरिए योगदान देने की क्षमता होती है। राजनाथ सिंह ने जोर देते हुए यह भी कहा कि संयुक्त और एकीकृत संरचनाओं के विकास के साथ-साथ नीति, प्रशासन, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्तीय प्रक्रियाओं, रस्द और संस्थागत ज्ञान सहित तमाम क्षेत्रों में निरंतरता व विशेषज्ञता की आवश्यकता होगी।

72 किलोमीटर की हैं इन तोपों की मारक क्षमता, कुल संख्या 200 के पार पाकिस्तान ने भारत से लगी सीमा पर तैनात की चीन से खरीदी हुई होवित्जर तोपें

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र सेनाओं द्वारा की गई ऑपरेशन सिंदूर की कार्यवाही के ठीक एक साल पूरा होने के बाद पाकिस्तान की भारत के खिलाफ की गई एक और नापाक हरकत उजागर हुई है। जिसमें यह जानकारी सामने आ रही है कि दुश्मन देश ने भारत से लगी हुई अपनी एक महत्वपूर्ण सीमा पर चीन से खरीदी हुई लंबी दूरी तक मार करने वाली लगभग 200 से अधिक 'एसएच-15 155एमएम/52 कैलिबर ट्रक माउंटेड सेल्फ प्रोपेलड आर्टिलरी सिस्टम' यानी होवित्जर तोपें तैनात कर दी हैं।

रक्षा विशेषज्ञों की मानें तो पाक की यह तैनाती भारत के लिए सुरक्षा के दृष्टिकोण से चुनौती बन सकती है। लेकिन इसमें भी कोई दोराय नहीं है कि नई दिल्ली के पास भी एक मजबूत तोपखाना तंत्र मौजूद है। जिसकी बदौलत वह कभी भी, कहीं भी दुश्मन की हर चाल को तुरंत नाकाम करने में सक्षम है। सेना, वायुसेना और नौसेना भी प्रत्येक सीमा पर पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात हैं। गौरतलब है कि इस तोप को चीन की सरकारी नोरिको कंपनी ने बनाया है। जो कि ड्रैगन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के पीसीएल-181 का निर्यात के लिए बनाया गया एक संस्करण है।

भारत ने नेस्तनाबूद किया आर्टिलरी सिस्टम

पाकिस्तान के पास हैं कुल 216 तोप

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में पाकिस्तान के पास होवित्जर तोपों की कुल करीब दर्जनभर यानी 12 रेजीमेंट हैं। जिनमें से प्रत्येक में तोपों की संख्या 18 होती है। इस लिहाज से उसके पास कुल तोपों की संख्या 216 है। लेकिन मीडिया के एक धड़े में इन तोपों और इनकी मुख्यतः देश की जम्मू-कश्मीर से लगी हुई पश्चिमी सीमा पर तैनाती की बात कही गई है। लेकिन इस तथ्य की भारत की तरफ से आधिकारिक रूप से फिलहाल कोई पुष्टि नहीं की गई है। सिर्फ इतना ही कहा गया है कि दुश्मन देश के पास इन तोपों की कुल करीब 12 रेजीमेंट हैं।

कल्लेआम की रिपोर्टिंग पर भड़का पाकिस्तान, अल-जजीरा पर बैन!

नई दिल्ली (एजेसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जारी भयानक हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघनों की अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग से घबरकर शहबाज शरीफ सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। पीओके में आसिम मुनीर की सेना द्वारा की जा रही बर्बरता को कवरज के बाद अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क अल जजीरा इंग्लिश समेत कई डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्मों को पाकिस्तान में कथित तौर पर ब्लॉक या सीमित कर दिया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स और डिजिटल राइट्स ग्रुप्स के मुताबिक, पाकिस्तान में यूजर्स इन अंतरराष्ट्रीय वेबसाइट्स को एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं।

No More जोर पेट सफा लो हर रोज...

तो आज ही ले आइए पेट सफा आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स एवं टेबलेट्स जिसे सेवन करना है बिल्कुल आसान, परिणाम हैं पहले दिन से और इसकी आदत भी नहीं बनती।

Dr. Juneja's[®]

पेट सफा

Natural Laxative Granules & Tablets

कब्ज़ • गैस एसिडिटी

Available at all medical & general stores
24x7 Helpline: 91197 88888 | www.petsaffa.com

Divisa

www.dr-juneja.com

पेट सफा

20% EXTRA

TABLETS

पेट सफा

EFFECTIVE RELIEF FROM CONSTIPATION

हरिभूमि कम्प्यूटिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चूलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैक्टर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109